संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -255 सोमवार ,17 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भूपेश ने हरेली तिहार के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा

रायपुर,16 जुलाई 2023 (ए)। 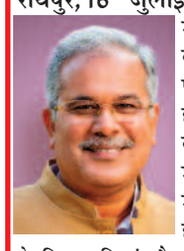
मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि हरेली तिहार सभी के लिए खुशियां और समृद्धि लेकर आए। अपने शुभकामना संदेश में बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति यहां के उत्सवों में प्रमुखता से दिखाई देती है। छत्तीसगढ़ का लोक तिहार हरेली छत्तीसगढ़ के जन-जीवन में रचा-बसा खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्यौहार है। इसमें अच्छी फसल की कामना के साथ खेती-किसानी से जुड़े औजारों की पूजा की जाती है। इस दिन धरती माता की पूजा कर हम भरण पोषण के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।

बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक मदद का ऐलान

- दिल्ली में एक सप्ताह से हजारों परिवार बाढ़ की वजह से परेशान
- यमुना का जलस्तर बढ़ने से यमुना किनारे इलाकों में आई बाढ़,लोगों ने किया पलायन
- दिल्ली में यमुना का जलस्तर घट रहा, धीरे-धीरे जनजीवन सामान्य होने की ओर बढ़ रहा

नई दिल्ली,16 जुलाई 2023(ए)। दिल्ली में यमुना का जलस्तर कम होने से धीरे-धीरे हालातों में सुधार हो रहा है। हालांकि बाढ़ प्रभावित इलाकों में जनजीवन सामान्य नहीं हो पाया है। इसी को देखते हुए दिल्ली सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को आर्थिक तौर पर राहत देने के लिए मुआवजा देने का ऐलान किया है। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित इलाकों में 17 और 18 जुलाई तक स्कूल भी बंद रहेंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, यमुना किनारे रहने वाले कई बेहद गरीब परिवारों का काफी नुकसान हुआ है। कुछ परिवारों का तो पूरे घर का सामान बह गया। बाढ़ पीड़ित हर परिवार को आर्थिक मदद के तौर पर दस हजार रुपये प्रति परिवार देंगे। जिनके कागज जैसे आधार कार्ड आदि बह गए, उनके लिए स्पेशल कैंप लगाए जाएंगे। साथ ही जिन बच्चों की ड्रेस और किताबें बह गईं, उन्हें स्कूलों की तरफ से ये दिलाएंगे।

स्कूल भी रहेंगे बंद

इसके अलावा दिल्ली सरकार ने कहा कि बाढ़ को देखते हुए यमुना नदी से लगे इलाकों के स्कूलों में राहत शिविर चलते रहने की संभावना है। इसके चलते सभी सरकारी, सरकार से सहायता प्राप्त, निजी मान्यता प्राप्त स्कूल 17 और 18 जुलाई को छात्रों के लिए बंद रहेंगे। यह आदेश प्रभावित जिलों - पूर्व, उत्तर पूर्व, उत्तर पश्चिम-ए, उत्तर, मध्य और दक्षिण पूर्व के लिए है।

यमुना नदी का जलस्तर

नदी पिछले एक सप्ताह से उफान पर है, जो बुधवार को बढ़कर 207.71 मीटर हो गई, जिसने 1978 में बनाए गए 207.49 मीटर के अपने सर्वकालिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में बाढ़ आ गई। इस बार जलस्तर 208.66 मीटर पहुंच गया, जो पिछले बार से 1.17 मीटर ऊपर था और खतरे के निशान (205.33 मीटर) से 3.33 मीटर बह रही थी।

रविवार दोपहर 2 बजे यमुना का जलस्तर 205.78 मीटर दर्ज किया गया है। उम्मीद लगाई जा रही हैं कि आज रात तक यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे पहुंच जाएगा। दिल्ली में यमुना का चेतावनी बिंदु 204.50 मीटर है।

टमाटर की किल्लत के बाद जागी सरकार

खरीदा तीन लाख टन प्याज

नई दिल्ली,16 जुलाई 2023(ए)। भारी बारिश और बाढ़ के कारण देश भर में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। महंगाई का असर प्याज पर भी मंडराने लगा है आने वाले समय में प्याज और महंगा हो सकता है इसी बात को ध्यान में रखते हुए सरकार प्याज का पर्याप्त भंडार कर रही है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 'बफर स्टॉक' (भंडारण) के लिए 20 प्रतिशत अधिक यानी कुल तीन लाख टन प्याज खरीदा है।

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित सिंह ने आज बताया कि सरकार प्याज को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) के साथ काम कर रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने बफर स्टॉक के लिए 2.51 लाख टन प्याज रखा था। बफर स्टॉक कम आपूर्ति वाले मौसम में कीमतों को काबू में रखने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत रखा जाता है।

उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने इस साल बफर स्टॉक में भारी बढ़ोतरी करते हुए तीन लाख टन प्याज खरीदा है। प्याज की कोई कमी नहीं है। बफर स्टॉक के लिए खरीदा गया प्याज हाल ही में समाप्त हुए रबी सत्र का है। फिलहाल, खरीफ के प्याज की बुवाई चल रही है और अक्टूबर में इसकी आवक शुरू हो जाती है। सचिव ने कहा कि आमतौर पर, खुदरा बाजार में प्याज की कीमत 20 दिन के लिए या खरीफ फसल के बाजार में आने तक दबाव में रहती हैं। लेकिन इस बार ऐसी कोई समस्या नहीं होगी। उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय प्याज के संरक्षण के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग और 'बार्क' के साथ प्रौद्योगिकी का भी परीक्षण कर रहा है। रोहित सिंह ने कहा, ÷प्रायोगिक तौर पर हम महाराष्ट्र के लासलगांव में कोबाल्ट-60 से गामा विकिरण के जरिये 150 टन प्याज संरक्षण का प्रयोग कर रहे हैं। इससे प्याज को अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 जुलाई को अखिल भारतीय स्तर पर प्याज का औसत खुदरा दाम 26.79 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसका अधिकतम दाम 65 रुपये और न्यूनतम 10 रुपये प्रति किलोग्राम था।

छत्तीसगढ़ के पहले त्यौहार हरेली के दिन संविदाकर्मी करेंगे जेल भरो आंदोलन

रायपुर,16 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में नियमितीकरण को लेकर प्रदेशभर के संविदाकर्मी लामबंद हैं। कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोसणा पत्र में संविदा कर्मियों को नियमतीकरण करने की वादा किया था। लेकिन साढ़े चार साल बीत जाने के बाद भी वादा पूरा नहीं हो सका है।

कर्मचारियों का कहना है सरकार हमारी मांगों को अनसुना कर रही है। इनता ही नहीं मांग पूरी न होने से नाराज कर्मचारियों ने अब बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ के पहले त्योहार हरेली के दिन जेल भरो आंदोलन करेंगे।छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष कौशलेश तिवारी ने कहा कि, लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीके से सभी को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है। सरकार अपना नियमितीकरण का वादा पूरा करने, संवाद स्थापित करने की बजाय संविदा कर्मचारियों की आवाज को दमनपूर्वक दबा रही है। जिसके विरोध में संविदा कर्मचारी 17 जुलाई को हरेली तिहार के दिन जेल भरो आंदोलन करेंगे। वही धरने पर बैठे संविदाकर्मियों के समर्थन में दो दिन पहले पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह धरना स्थल पर पहुंचे थे। उनकी मांग को जायज ठहराते हुए उन्होंने कहा कि, हमारी सरकार आने पर हम नियमितीकरण करेंगे।

सीएम पर लगाए गए गंभीर आरोपों को लेकर मुंबई पुलिस ने संजय राउत को भेजा नोटिस

मुंबई ,16 जुलाई 2023 (ए)। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने शिवसेना के सांसद संजय राउत को नोटिस जारी कर उनसे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय के संबंध में अपने आरोपों से संबंधित सबूत पेश करने को कहा। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के एक अधिकारी ने कहा कि हमने संजय राउत को नोटिस जारी किया है और उनसे मुख्यमंत्री कार्यालय के संबंध में लगाए गए आरोपों पर सबूत जमा करने को कहा है। जैसे ही संजय राउत सबूत सौंपेंगे, हम इस मामले की जांच शुरू करेंगे। अधिकारी ने बताया कि यह नोटिस राउत के उन आरोपों पर जारी किया गया है जिसमें उन्होंने सीएमओ पर जेलों में बंद अपराधियों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। संजय राउत ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री कार्यालय जेलों में बंद अपराधियों के साथ संवाद कर रहा है। उन्होंने कहा था कि वह जल्द ही अपने दावे के समर्थन में सबूत पेश करेंगे। अधिकारी ने कहा कि सबूत जमा करने के लिए राउत को कोई विशेष दिन और समय नहीं दिया गया है।

वन्दे भारत एक्सप्रेस में फिर हुई पत्थरबाजी,खिड़की का टूटा कांच

रायपुर ,16 जुलाई 2023(ए)। वन्दे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 20826) में राजनांदगांव के नजदीक एस-2 कोच और गॉर्ड ब्रेक में पत्थर मारा गया है. जिससे ट्रेन के खिड़की का कांच क्रैक हो गया है।

वहीं घटना की सूचना मिलते ही तुरंत पोस्ट प्रभारी राजनांदगांव बल सदस्यों के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर जांच की तो एस-3 के बर्थ नंबर 50, 51 ,52 का शीशा क्रेक पाया गया.

जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 20826 वंदे भारत एक्सप्रेस रेलवे स्टेशन दुर्ग के प्लेटफार्म नंबर 3 पर 5.27 बजे आई और 5.30 बजे प्रस्थान हुई. जिसे उपनिरीक्षक एम. एल. यादव और 3 स्टाफ के साथ दुर्ग से बिलासपुर तक रवाना किया गया. इस दौरान गाड़ी समय 7.25 बजे रेलवे स्टेशन बिलासपुर के प्लेटफार्म नंबर 7 पर पहुंची, जिसे ड्यूटी पर उपस्थित प्रधान आरक्षक डी.के. तिवारी रेसुब पोस्ट बिलासपुर के साथ गाड़ी को ज्वाइंट चेक करने पर पाया गया कि, कोच नंबर सी-2 के बर्थ नंबर 30 और 2 एवं गार्ड कैब का शीशा क्रैक था. ट्रेन गार्ड ने बताया गया कि, करीब 5 बजे घटना घटित हुई है. साथ ही चेकिंग में एस 3 के बर्थ नंबर 50, 51 ,52 का भी शीशा क्रैक पाया गया, जिसकी सूचना वेटर सत्यम सिंह ने 6:38 बजे दी.

शरद पवार का एक और अटैक

अजित गुट के 12 विधायकों को कारण बताओ नोटिस

मुंबई ,16 जुलाई 2023 (ए)। महाराष्ट्र में राजनीति हलचल तेज होती जा रही है। अजित पवार के विद्रोह से घायल हुए शरद पवार अब अपनी पार्टी (एनसीपी) के पुनरुद्धार के लिए जी जान से जुट चुके हैं। इसी कड़ी में अपने पहले प्रभावशाली कदम के रूप में शरद पवार ने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं तक पहुंच बनाने के लिए एनसीपी के युवा कार्यकर्ताओं के साथ एक मैराथन बैठक की है। इस बैठक में सीनियर पवार ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा का पाठ पढ़ाया, जिसमें भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का विरोध करने पर जोर दिया गया।

पवार ने एनसीपी के कैडरों से समावेशिता, समानता, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांतों को बनाए रखने की अपील की। उन्होंने युवा कैडरों से पार्टी की स्थापना और एनसीपी की यात्रा में सराहनीय योगदान देने वाले पार्टी के वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों से बातचीत करने का आह्वान किया। पवार ने कहा, हमारे कार्यकर्ताओं को पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों के साथ बातचीत बढ़ानी चाहिए और 1999 में पार्टी की स्थापना के बाद से पार्टी की यात्रा में उनके

बहुमूल्य योगदान को पहचानना चाहिए। एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने पार्टी कार्यकर्ताओं से राज्य का व्यापक दौरा करने को कहा हैइस बीच, सख्त कदम उठाते हुए शरद पवार द्वारा नियुक्त मुख्य सचेतक जीतेंद्र अव्हाड ने अजित पवार के डिप्टी सीएम के रूप में शपथ लेने के तीन दिन बाद 5 जुलाई को सीनियर पवार की अध्यक्षता में हुई पार्टी की बैठक में शामिल नहीं होने पर अजित समूह के 12 विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और उन्हें 48 घंटों के अंदर जवाब देने को कहा है। जिन 12 विधायकों को नोटिस भेजा गया है उनमें सुनील शेल्के, दिलीप बनकर, नितिन पवार, दीपक चव्हाण, इंद्रनील नाइक, यशवंत माने, शेखर निकम, राजू कारेमोरे, मनोहर चंद्रिकापुरे, संग्राम जगताप, राजेश पाटिल और माणिकराव कोकाटे शामिल हैं। सभी 12 लोग अजित पवार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। शरद पवार समूह ने पहले ही अजित सहित नौ विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही शुरू कर दी है, जिन्होंने 2 जुलाई को मंत्री पद की शपथ ली थी।

शरद पवार गुट के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि जिन 12 विधायकों को नोटिस दिया गया है, उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों पर स्पीकर राहुल नार्वेकर को एक पत्र भी भेजा जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनसीपी के 53 विधायकों में से 35 से ज्यादा ने अजित पवार को समर्थन दिया है। हालांकि, अजित गुट के प्रफुल्ल पटेल ने 45 विधायकों के समर्थन का दावा किया है।

जिले में युवाओं के रगो में दौड़ रही जहरीली दवा

» जिले में नशीली दवाओं का बता कारोबार इस कदर हावी हो गया है कि युवाओं को आसानी से ये सब उपलब्ध कराया जा रहा है...कानून के मुताबिक बिना डॉक्टर की पर्ची के मेडिकल स्टोर में नशीली दवाइयां नहीं बेची जा सकती...लिहाजा युवा वर्ग नशा करने के लिये कोई भी कीमत चुकाने को तैयार है...इसके लिये नशीली दवाइयों को बेचने तथा कालाबाजारी करने के लिये पूरा नेटवर्क काम कर रहा है...इस तरह युवा पीढ़ी इनके चंगुल में फंसकर खोखली होती जा रही है...

जीवन रक्षक बेच रहे जहर, जिले में नशीली दवाओं का बढ़ता जा रहा कारोबार

-अरविंद द्विवेदी-

अनूपपुर,16 जुलाई 2023(घटती-घटना)। इन दिनों नशे के लिये उपयोग की जाने वाली दवाइयों में इंजेक्शन, टेबलेट और सिरप तीनों प्रकार से नशीली दवाईयां बाजार में उपलब्ध हैं। दवाईयों का नशा करने का जो सबसे बड़ा फायदा युवाओ को होता है, वो ये कि नशे की हालत में उनके मुंह से दुर्गंध नही आती व आंखों में लाल डोरे नहीं दिखाई पड़ते। जिसकी वजह से नशा करने के बाद भी युवा अपने परिजनो, दोस्तों के बीच रहे आते हैं और किसी को भी उनके नशे में होने की भनक तक नही लगती।

ऐसे मिलती है दवाइयां

शहर के कुछ मेडिकल स्टोर्स में नशीली दवाओ का कारोबार फल-फूल रहा है। हालांकि ये दुकानदार कानून से बचने के लिये जान पहचान वाले तथा नियमित ग्राहकों को ही दवाइयों की बिक्री करते हैं। जबकि अंजान ग्राहक को देखते ही दवा न होने का बहाना बना लेते हैं। इस तरह उनका धंधा भी चल रहा है और कानून का फंदा इनके गले तक नहीं पहुंच पा रहा है।

सम्पूर्ण जिला बना सेन्टर

शहर में दवाईयों के न मिलने पर युवा वर्ग जिले के कोतमा, बिजुरी, भालूमांडा तथा पुष्पराजगढ तक जाकर इसे खरीदते हैं। जबकि मेडिकल दुकान संचालकों द्वारा जबलपुर, कटनी के साथ ही बुढ़ार से इन दवाइयों की खेप मंगाई जाती है। जानकारी के अनुसार नशीली दवाइयों को सस्ती कीमत में खरीदकर मंहगे दामों पर बेचने में अच्छा खासा मुनाफा होता है।

- टेबलेट का नाम-नाईट्रावेट (10एमजी), निद्राजिपम, विलियम 10, नाईट्राबेट
- इंजेक्सन का नाम-जोसीन, फोर्टवीन, कम्पोज
- सिरप का नाम -कोरेक्स, रेसकप, फैंसीडिल

जिसकों देखते हुए दवाईयों की कालाबाजारी चरम पर हो रही है। इस कारोबार में हाईप्रोफाईल से लेकर लो कटेगरी तक के लोग शामिल हैं और एक नेटवर्क बनाकर इस पूरे धंधे को अंजाम तक पहुंचा रहे हैं।

अकुशल दे रहे दवा

एक खास बात यह है कि जिले में कई मेडिकल स्टोर ऐसे हैं जहां पर फार्मासिस्ट तथा प्रोप्राईटर के अलावा दूसरे लोग अवैध रूप से मेडिकल दुकानों को संचालित करते हैं। इनमें से कुछ लोग स्वास्थ्य की शिक्षा से भी कोसो दूर है। जिनके द्वारा मरीजों को दवाईयां देने का काम किया जा रहा है। ऐसे में मरीजों की जान को खतरा है।

तैनात है ड्रग इंस्पेक्टर

नशीली दवाईयों की अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिये शासन द्वारा जिले में एक ड्रग इंस्पेक्टर को तैनात किया गया है जो अनुपपुर में न रहकर जबलपुर से ही काम पूरा कर रहे हैं। महीने में एक बार आते हैं और कागजी खानापूर्ति कर कोरम पूरा कर लिया जाता है। यही वजह है कि नशीली व एक्सपायरी डेट की दवाईयां धड़ल्ले से खपाई जा रही हैं। इतना ही नही अशिक्षित ग्राहकों को फार्मूला बदलकर दवा थमा दी जाती है।

क्या कहता है कानून

डॉक्टर द्वारा लिखी पर्ची देखने के बाद ही नशीली दवा देने का प्रावधान है। यहां तक कि पर्ची पुरानी नही, उसी दिन की होनी चाहिये और इसका लेजर भी मेंटेन भी होता है।

जिम्मेदार के बोल

डॉक्टर के लिखे अनुसार ही दबाई देने का प्रावधान है, यदि कोई इसके विपरित दवा बेंच रहा है तो गलत है।

राजेश जैन
अध्यक्ष दवा विक्रेता संघ
अनूपपुर

आपके माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है, निश्चित ही कार्यवाही की जाएगी।

अशोक अवधिया
मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
अनूपपुर

संपादकीय

इंसाफ का नया अंदाज

न्यायपालिका के इंसाफ करने के नए अंदाज से एक तरफ सरकार की मंशा पूरी हो जाती है, और दूसरी तरफ अन्य पक्ष के लोग भी खुश हो जाते हैं कि उनकी दलील पर कोर्ट की मुहर लग गई। लेकिन क्या यह सचमुच न्याय है?

हाल के वर्षों में देश में इंसाफ का एक नया अंदाज देखने को मिला है। अंदाज यह है कि अगर मामला भारत सरकार या सत्ताधारी पार्टी की राजनीतिक विचारधारा से जुड़ा हो, तो कोर्ट का फैसला कुछ ऐसा होता है, जिससे सत्ता पक्ष को ज्यादा परेशानी ना हो। मसलन, अगर किसी मामले में कोर्ट इस नतीजे पर पहुंचता है कि उसमें संवैधानिक प्रावधानों/भावना या न्यायिक निर्देशों का उल्लंघन किया गया है, तो अदालत यह बात दो टूक कहेगी, लेकिन साथ ही उस उल्लंघन के परिणाम को रद्द नहीं करेगी। इस तरह सरकार की मंशा पूरी हो जाती है, और दूसरे पक्ष के लोग भी खुश हो जाते हैं कि उनकी दलील पर कोर्ट की मुहर लग गई। लेकिन क्या यह सचमुच न्याय है? इस रुझान की ताजा मिसाल प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक के कार्यकाल को बार-बार बढ़ाए जाने के मामले में देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट इसे अवैध ठहराया। लेकिन साथ ही इस रुझान के लाभार्थी को तुरंत पद मुक्त करने का निर्देश नहीं दिया। जबकि अपेक्षित यह था कि अवैधानिक कार्य करने के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाती और साथ ही सेवा-विस्तार के दौर में ईडी द्वारा लिए गए फैसलों को अगर रद्द नहीं, तो कम से कम पुनर्विचार की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश कोर्ट देता।

मगर इस मामले में वही ट्रेंड दोहराया गया, जो इसके पहले महाराष्ट्र में सरकार बदलने के मामले में दिखने को मिला था, या अयोध्या निर्णय में जिसके संकेत मिले थे। गौरतलब है कि पिछले करीब पांच सालों से ईडी का नेतृत्व कर रहे संजय कुमार मिश्रा की देखरेख में इस अवधि में एजेंसी ने कई बड़े मामलों में जांच शुरू की है। भारतीय राजस्व सेवा के 1984 बैच के अधिकारी संजय कुमार मिश्रा को सबसे पहले 19 नवंबर, 2018 को दो साल के तय कार्यकाल के लिए ईडी का निदेशक नियुक्त किया गया था। उसके बाद उन्हें तीन बार सेवा विस्तार दिया गया। उनके कार्यकाल में ईडी पर राजनीतिक नजरिए से प्रेरित कार्रवाइयां करने के कई इल्जाम लगे हैं। इसलिए यह मामला संवेदनशील था। कहा जा सकता है कि इसमें कोर्ट ने अर्ध-न्याय किया है।

आशा और उम्मीद का प्रतीक होता है न्याय

न्याय शब्द एक आशा और उम्मीद का प्रतीक है। जब किसी को लगता है कि उसकी बात अच्छी तरह सुनी जाएगी तथा उन्हें अपनी बात कहने का पूरा अवसर मिलेगा वह न्याय है। न्याय शब्द एक नई रोशनी लेकर आता है। व्यक्ति के मन में एक उम्मीद जगाता है कि उनकी बात को पूरी तरह सुनकर ही निर्णय किया जाएगा। न्याय एक बहुत ही सम्मानित वह संतुष्टि प्रदान करने वाला शब्द है। आज भी जब दो व्यक्तियों के बीच में झगड़ा होता है तो दोनों एक दूसरे से कहते हैं कोर्ट में आ जाना फैसला हो जाएगा। यह लोगों की न्याय के प्रति आस्था का एक जीता जागता उदाहरण है।

न्याय पाना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार होता है। कोई भी सरकार या व्यवस्था तभी सफल मानी जाती है। जिसमें हर व्यक्ति को निष्पक्ष रुप से न्याय मिल सकें। हमारे देश में तो सदियों से न्यायिक प्रणाली बहुत मजबूत रही है। राजा महाराजाओं के जमाने में भी लोगों के साथ न्याय किया जाता था। जिनके उदाहरण हम आज भी देते हैं। भारत के महान सम्राट राजा विक्रमादित्य की न्याय प्रणाली की आज भी हर जगह चर्चा और सराहना होती है।

हमारा देश जब स्वतंत्र हुआ तो संविधान के निर्माताओं ने न्यायपालिका को कार्यपालिका और विधायिका से अलग रखा। न्याय के लिए सशक्त कानून बनाए गए थे। देश के लोगों को सही व निष्पक्ष न्याय मिल सके इसके लिए लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की स्थापना की गई थी। जो आज भी न्यायिक प्रक्रिया में संलग्न है। हमारे देश में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का उदाहरण श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पद के अयोग्य ठहरा दिया जाना था। इससे अधिक न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मजबूती कहां देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून के शासन के तहत अदालतों को न्याय एवं अन्याय में फर्क करने का अधिकार हासिल हैं। सही क्या है तथा गलत क्या है यह अदालत विधान की पुस्तकों के आधार पर तय करती हैं। आज लम्बित मामलों की संख्या को देखकर कहा जा सकता है इंसाफ चाहने वाले पीड़ित लोगों की संख्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं। हमारे देश की विधायी व्यवस्था में न्याय की शीर्षस्थ संस्था न्यायालय हैं।

विश्व न्याय दिवस अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय की उभरती प्रणाली को मान्यता देने के प्रयास के तहत 17 जुलाई को दुनिया भर में मनाया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है। हर साल दुनिया भर के लोग इस दिन का उपयोग अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए करते हैं। यह दुनिया में आधुनिक न्यायालय प्रणालियों की स्थापना का भी स्मरण कराता है। यह दिन मौलिक मानवाधिकारों की वकालत और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय के लिए विश्व दिवस का उद्देश्य आईसीसी के प्रयासों की सराहना करना और अंतरराष्ट्रीय अपराधों के पीड़ितों के लिए न्याय को बढ़ावा देने के लिए सभी को एकजुट करना है। 17 जुलाई 1998 को 120 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के रोम संविधि नामक एक संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए एक साथ आए थे। रोम संविधि पर हस्ताक्षर करने का दिन मनाने के लिए विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस तब से हर साल मनाया जाता रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय या आईसीसी विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस में शामिल एक महत्वपूर्ण प्राधिकरण है। यह न्यायालय सबसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों वाले व्यक्तियों का विश्लेषण करता है और उन पर आरोप लगाता है। इनमें नस्लीय हत्याएं, युद्ध के दौरान अपराध, मानवता के अपराध और आक्रामकता के अपराध शामिल हो सकते हैं। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों का विकल्प नहीं हो सकता है लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच नहीं कर सकता है।

हमें बहुत से लोगों से अक्सर यह सवाल सुनने को मिलता है कि न्याय कहां मिलता हैं। इस प्रश्न का होना भी यह बताता है कि आज भी आम आदमी को आसानी से न्याय नहीं मिल पा रहा हैं। न्याय के बारे में एक पुरानी अंग्रेजी कहावत है कि न्याय में देरी करना न्याय को नकारना है और न्याय में जल्दबाजी करना न्याय को दफनाना है। यदि इस कहावत को हम भारतीय न्याय व्यवस्था के परिपेक्ष्य में देखे तो पाएगे कि इसका पहला भाग पूर्णतः सत्य प्रतीत होता हैं। सीमित संख्या में हमारे जज और मजिस्ट्रेट मुकदमों के बोझ तले दबे प्रतीत होते हैं। एक मामूली विवाद कई सालों तक चलता रहता है तथा पीड़ित को दशकों तक न्याय का इतजार करना पड़ता हैं। यही वजह है कि लोगों में न्याय के प्रति गहरे असंतोष के भाव हैं। वे अपने साथ हुए अन्याय के विरुद्ध इसलिए कोर्ट नहीं जाते क्योंकि लोगों के लिए भय का कारण है तथा कानून का पालन करने वाले लोगों को राहत देती है। यह बुद्धिमान और संवेदनशील लोगों के लिए एक घर के समान है। एक ऐसी शरण स्थली है जहां गरीब और अमीर दोनों को ही आसानी से न्याय मिलता है। न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठने वाले लोगों के लिए यह एक सम्मान और गर्व का स्थान होता है।

परन्तु आज के समय में गरीब लोगों की न्यायालय में पहुंच बहुत कम हो गयी है। आज स्थिति यह हो चुकी है कि धूर्त लोग न्यायालयों का दुरूपयोग समाज के सम्मानित लोगों के विरुद्ध हथियार के रूप में करने लगे हैं। वे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सच्चा या झूठा मुकदमा दायर कर देते हैं और मुकदमा झेलने वाला व्यक्ति सारा जीवन स्वंय को निर्दोष सिद्ध करने में लगा देता है। संविधान ने न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी अदालतों पर डाल दी है। वे ही न्याय के एकमात्र एवं सर्वोपरी स्रोत माने जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक़ भारत में उच्च न्यायालय एक मुकदमें का निर्णय सुनाने में लगभग चार वर्ष से अधिक का समय लेते हैं। उच्च न्यायालय से निम्न स्तरीय अदालतों का हाल तो इससे कही बुरा हैं। जिला कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक चलने वाले एक मुकदमें का अंतिम फैसला 7 से 10 साल में आता हैं। लोगों का मानना है कि भारत की न्याय प्रणाली में अधिक समय खर्च होने का मूल कारण मामलों की अधिकता हैं। लेकिन असल समस्या है मामलों का शीघ्र निपटान न हो पाना। केवल यह कहकर कि हमारे न्यायिक तन्त्र में खामियां बताकर उसे कोसते रहना उचित नहीं हैं।

देश दे सभी सभी नागरिकों, जजो, वकीलों तथा हमारी सरकारों का यह दायित्व है कि हम न्याय व्यवस्था को दुरुस्त करे। कोर्ट की तारीख पर तारीख देने की प्रवृत्ति पर रोक लगायें। मुकदमो के फैसलों की सीमा भी निर्धारित होनी चाहिए। आज अदालतो में मुकदमों का अम्बार लग रहा है इसका कारण न्यायाधीशों की कमी भी है। सरकार को इस समस्या का हल निकालने के लिए त्वरित प्रयास कर हमारी न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना चाहिए। तभी सभी को समय पर न्याय मिलने का सपना साकार हो सकेगा।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

मूर्खों की बस्ती

ये मूर्खों की बस्ती है,
आये दिन बहुतेरे लोगों की
मति यहां खिसकती है,
ये.....
हाड़तोड़ मेहनत भी करना,
कुदरत से जीना और मरना,
कुछ आदत इनकी है ऐसी
जिसके लिए है नहीं सुधारना,
सुबह उठते ही मदिरा पीते,
दिन भर इसी मस्ती में जीते,
पुरखों से ढो रहे परंपरा
यूं ही इन सबके दिन बीते,
पता है सबको है बुरी यह
लेकिन फिर भी नहीं झिझकते,
इत उत चलते हैं बल खाकर
कूल्हे कमर मटकती है,
ये.....
सोकर उठते ईश वंदना,
घिसता रहता हर कोई चंदना,
कलुषितों के नियम से चलना,
चमत्कार के लिए मचलना,
जल चढ़ाते हर पल चढ़ाते,
चुनरी,बंदन शीश फल चढ़ाते,
दिन और रात भजन भी गाते,
बदले में नहीं कुछ ले पाते,
कीर्तन में चूड़ी खनकती है,
ये.....
होश नहीं रखते अधिकार की,
हाथ फैलाते हैं बेकार की,
इनके हिस्से खा रहा है दूजा,
कर रहे दुश्मनों की पूजा,
मुठ्ठी भर घूम रहे दहाड़ते,
उनके आगे बन रहे हैं चूजा,
हासिल करो हक और सत्ता लाओ,
संवैधानिक पथ पर चल जाओ,
थककर मेहनत की रोटी खाओ,
अवैज्ञानिकता को दूर भगाओ,
तलवार कलम की हाथ में लेने
मां बहनें अब भी क्यों झिझकती है,

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

सावन-सावन आया

डम डम डमरू बाज रहा है,
भोले के संग नाच रहा है,
मेघ कर रहे गर्जन इतना,
भोले का दरबार लगा है।
डम-डम डमरू ....
लुक-छुप देखो बिजली चमके,
इन्द्र धनुष भी नर्तन करते,
एक नहीं दो महीने आए,
सावन-सावन कह मुस्काएं।
डम-डम डमरू .....
धरा भी इतनी हुई बावली,
बिन ढपली के गीत सुनाए,
भोले की आहट पाकर वह,
बन दुल्हन-सी फिर शर्माए।
डम-डम डमरू .....
धरा पर नश्वर बस भोले हैं,
अहं में तू क्यूं भरता जाए,
गुब्बारे-सा भर फूटेगा,
जीवन यूं ही बीता जाए।
डम-डम डमरू .
लो काली-सी बदली आई,
भोले की छवि भर कर लाई,
रवि किरणें भी अलसाई-सी,
आंगन में मेरे फिर आई।
डम-डम डमरू ....
118 वां मनका

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,
मध्यप्रदेश

जय शिव शंकर

जय शिव शंकर भोले भंडारी
करते हो नन्दी के तुम सवारी
भूत प्रेत बना तेरे ही साथी
कहलाते हो गौरा माँ के तुँ पति
हाथ डम डम डमरू है बाजै
मस्तक पे चन्द्रमा है बिराजै
गले नागों की शोभत है माला
माँ गंगे की तुम पे धरा सँभाला
भाँग धतूरा तुमको है बहुत भाये
कैलाश पर्वत पे हो घर तुँ बसाये
हिमालय पर्वत पे करता है वास
जग वाले को दिया ज्ञान प्रकाश
हलाहल विष था तुमको ही पीना
नीलकंठ था तुमको था कहलाना
बेलपत्र तुमको है अति ही प्यारा
जग वाले का भोला है सहारा
बाघम्बर छाल की तेरा पहरावा
मृगछाला पे धुनी तेरा रचावा
देवो के तुम देवदेवादिदेवा
स्वीकार करो बाबा मम सेवा
गणपत कार्तिक दोनों तेरा दुलारा
त्रिभुवन के स्वामी सबका रखवारा
जय जय जय है भोले अर्न्तयामी
इस त्रिभुवन के तुम ही हो स्वामी

उदय किशोर साह
जयपुर बाँका
बिहार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

हरियाली अमावस्या: प्रकृति के प्रति कृतज्ञ होने का पर्व

हमारे देश के दूरदर्शी लोगों ने सदियों पहले प्रकृति का महत्व समझ लिया और उसके संरक्षण के उपाय सुनिश्चित किए। आम जन-जीवन में प्रकृति के प्रति आस्था का भाव सदा से रहा है। देश में प्राचीन काल से ही लोग प्रकृति के प्रति श्रद्धा रखते आ रहे हैं। हमारे यहां ऐसे अनेक पर्व और त्योहार हैं जो पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं।

हरियाली अमावस्या ऐसा ही पर्व है, जब लोग न केवल प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं बल्कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लेते हैं। सावन महीने की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को आम जन मानस में हरियाली अमावस्या के नाम से जाना जाता है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोगों में अधिकाधिक पेड़ लगाने की होड़ लग जाती है। राजस्थान में तो यह पर्व धार्मिक आस्था से ज्यादा लोगों के लिए पर्यावरण चेतना जागृत करने और पर्यावरण को सुरक्षित कर प्रकृति के प्रति आभार जताने का खास मौका है, जिसे वह कभी नहीं छोड़ते।

राजस्थान में समुदाय में पर्यावरण संरक्षण की अनेक परंपराएं प्रचलित हैं। अगर लोगों ने तीज-त्योहारों के रूप में आनंदित होने के मौके तलाशे हैं तो उन्हें पेड़ लगाने के लिए खास अवसर भी बनाया है। हरियाली अमावस्या एक ऐसा ही अवसर है जो लोगों की धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति चेतना का भी परिचायक है। हरियाली अमावस्या पर नदियों और तालाबों में स्नान व देव पूजन का जितना महत्व है, उतना ही महत्व वृक्षों की पूजा और पौधे लगाने का भी है। इस दिन राजस्थान में अनेक स्थानों पर मेले भरते हैं जिनमें लोग हर्षोल्लास से शामिल होते हैं। इन मेलों में हजारों की तादाद में जन समुदाय उमड़ता है। हरियाली अमावस पर जब लोगों को हम वृक्ष पूजन करते और पेड़ लगाते देखते हैं तो उनमें पर्यावरण के प्रति दायित्व के बोध का एहसास होता है। अजमेर के मांगलियावास गांव में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित हजारों लोगों की सहभागिता वाला कल्पवृक्ष मेला पिछले 800 साल से लग रहा है। जोधपुर जिले में बालेसर के जिनजियाला गांव के तेखला धाम पर लगने वाले मेलों में हजारों लोग शिरकत करते हैं। जोधपुर में 105 किलोमीटर लंबी भोगिशैल परिक्रमा यात्रा को देखकर अयोध्या की 24 कोसी परिक्रमा का सा आभास होता है। भोगिशैल यात्रा की समाप्ति के उपरांत लोग वृक्ष पूजा कर पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प करते हैं। साथ ही पौधे लगाते हैं। उदयपुर में हरियाली अमावस पर बड़े मेलों का आयोजन होता है। नागौर, सीकर, झुंझुनूं, चूरू जिलों में हरियाली अमावस की धूम रहती है। बीकानेर जिले में हरियाली अमावस को एक बड़े उत्सव की तरह मनाया जाता है। वहां के लोग इस दिन पौधे लगाने, प्रकृति के संरक्षण और गायों की पूजन की परंपरा को कायम रखे हुए हैं। बीकानेर जिले में मां भारती सेवा प्रन्यास, कामधेनु गौशाला अंबासर और राष्ट्रीय गाय आंदोलन राजस्थान जैसे संगठन इस मौके पर गांव-गांव में पर्यावरण को समर्पित कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं जिनमें शिरकत करने वाले ग्रामीण दीपदान करते हैं, पौधे लगाते हैं और गोचर, ओरण व जंगल को बचाने का संकल्प करते हैं। बीकानेर में जहां राष्ट्रीय गाय आंदोलन राजस्थान के अध्यक्ष सूरजमाल सिंह नीमराना ने हरियाली अमावस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में गाय और पर्यावरण के महत्व को स्थापित किया है तो वहीं नागौर में वृक्ष मित्र पद्मश्री चौ. हिम्मताराम भांभू हरियाली अमावस जैसे अवसरों से आम जन की भागीदारी जोडक़र पर्यावरण की रक्षा में एक मिसाल बन गए हैं।

राजस्थान में समुदाय में वृक्षों के प्रति श्रद्धा भाव बेमिसाल है। हरियाली अमावस पर लोग पीपल, बरगद, नींबू, तुलसी के पौधे रोपते हैं। स्थानीय लोगों का इस बात में अटल विश्वास है कि वृक्षों में देवताओं का वास होता है। वृक्षों के संरक्षण और अधिकाधिक वृक्ष लगाने से देवता प्रसन्न होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

प्रदेश की लोक संस्कृति में प्राचीन समय से ही पर्यावरण का अत्यंत महत्व है। हमेशा से पर्यावरण के महत्व और संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया जाता रहा है। आम जन पेड़ों और जीवों के साथ सह जीवन की परिकल्पना को साकार करता दिखाई देता है। हरियाली अमावस्या पर नदी-तालाब में स्नान, पितृ पूजा और देव पूजन के साथ-साथ पर्यावरण के महत्व को हमारे पूर्वजों ने जिस सोच के साथ जोड़ा है वह उनकी दूरदृष्टि का परिचायक है। जाहिर है कि हमारे पूर्वजों ने सदियों पहले ही पर्यावरण पर आने वाले संकट को भांप लिया था और इससे निपटने के तौर-तरीके भी बहुत पहले ही लोक जीवन में प्रचलित कर दिए। इन तौर-तरीकों को हम वृक्षों की पूजा, वृक्षारोपण, जल पूजन और जीव रक्षा के रूप में देखते हैं। पेड़-पौधों में ईश्वर के वास की धारणा पर्यावरण के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अमरपाल सिंह वर्मा
संगरिया जिला
हनुमानगढ़
(राजस्थान)

महिलाएँः समाज की वास्तविक वास्तुकार

हमारा समाज कहता है, पृथ्वी पर सबसे मूल्यवान वस्तु स्त्रियाँ हैं। आइए इस धरती पर हर महिला को सलाम करें। महिलाएं समाज की वास्तविक वास्तुकार हैं, वे जो चाहें वह बना सकती हैं।% ÷एक महिला क्या चाहती है÷? - समय, देखभाल और बिना शर्त प्यार, आदि। इस धरती पर प्रत्येक महिला गरिमा, संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है। नारी के बिना यह संसार सूना और अंधा है। महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निजी जीवन में महिला की भागीदारी काफी प्रभावशाली है। कई समाज घरों और समुदायों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को नजरअंदाज करते हैं। महिलाओं के अवैतनिक श्रम को अक्सर न तो महत्व दिया जाता है और न ही जीडीपी में शामिल किया जाता है, जो अक्सर अनदेखा और गैर-मान्यता प्राप्त रहता है। अब यह पहचानने का समय आ गया है कि उनकी भूमिका और योगदान कितने महत्वपूर्ण हैं। आइए सुनिश्चित करें कि दोनों लिंग एक-दूसरे को भागीदार के रूप में देखें।

महिलाएं एक सशक्त शब्द है. यह आकर्षक है क्योंकि यह प्यार, देखभाल, पोषण, दायित्वों, जिम्मेदारियों, शक्ति, अनंत काल, मातृत्व आदि को दर्शाता है। नारी समाज का दर्पण है। जब उसे हाशिये पर धकेल दिया जाता है, तो उस पर अत्याचार किया जाता है; यदि इसे पाला जाता है, तो समाज को पाला जाता है; यदि इसे मजबूत किया जाता है, तो यह सशक्त होता है। वह संस्कृति और रीति-रिवाजों को बनाए रखती है और उन्हें सामने लाती है। वह वह है जो अपने पति और उसके परिवार की परवाह करती है। दूसरे शब्दों में, वह समाज में सब कुछ बनाती है। एक महिला (माँ) उसकी संतान होती है, पहली शिक्षक; वह अपने बच्चों का प्यार से इलाज करने वाली पहली डॉक्टर हैं। वह अपने बच्चों को पढ़ाने वाली पहली शिक्षिका हैं, अपने बच्चों के साथ खेल खेलने वाली पहली साथी हैं। अपने बच्चे के विकास में उसका कार्य बहुत बड़ा है।

हमारे समाज में कई सालों से महिलाओं को पुरुषों से कमतर समझा जाता रहा है। इस प्रकार की हीनता के कारण उन्हें अपने जीवन में विभिन्न मुद्दों और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खुद को पुरुषों के बराबर साबित करने के लिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। मध्य युग में लोग महिलाओं को विनाश की कुंजी मानते थे, इसलिए उन्होंने कभी भी महिलाओं को पुरुषों की तरह बाहर जाने और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी। फिर भी आधुनिक युग में महिलाओं को अपने दैनिक जीवन में कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है और अपना करियर स्थापित करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। कई माता-पिता केवल लड़का पैदा करना पसंद करते हैं और केवल लड़कों को ही शिक्षा देने की अनुमति देते हैं। उनके लिए महिलाएं परिवार को खुश और स्वस्थ रखने का माध्यम मात्र हैं।

एक महिला को समाज में अधिक उपहास की दृष्टि से देखा जाता है और यदि वह प्रेम विवाह या अंतरजातीय प्रेम विवाह में शामिल होती है तो उसे ऑनर किलिंग का खतरा अधिक होता है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में स्वायत्तता, घर से बाहर गतिशीलता, सामाजिक स्वतंत्रता आदि तक समान पहुंच नहीं है। महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली कुछ समस्याएं उनकी घरेलू जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक और सामाजिक निर्दिष्ट भूमिकाओं के कारण हैं।

भारत सरकार ने लैंगिक समानता और सभी महिलाओं और लड़कियों की आर्थिक स्वतंत्रता को आगे बढ़ाने के लिए हाल के वर्षों में कई नई नीतियां और सुधार लागू किए हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए, कुछ प्रमुख पहलों में 22 करोड़ महिलाओं के लिए जन धन खाते बनाना और उन्हें मुद्रा योजना के तहत कम ब्याज पर ऋण प्रदान करना शामिल है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पहल शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

जनसंख्या की आवश्यकताओं के प्रति जिम्मेदार और उत्तरदायी निष्पक्ष, सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करने का लक्ष्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का प्राथमिक फोकस है। महिलाओं को सशस्त्र सेवाओं में स्थायी कमीशन प्रदान करना और मातृत्व अवकाश की अवधि 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह करना सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देता है और एक सक्षम वातावरण स्थापित करता है। बलात्कार को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों को भी और अधिक सख्त बनाया जा रहा है। इसके अलावा, उज्ज्वला कार्यक्रम, स्वाधार गृह कार्यक्रम और महिला शक्ति केंद्र उन मुद्दों से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों और कार्यक्रमों के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण हैं जिनका महिलाओं को आम तौर पर सामना करना पड़ता है। ये उन नीतियों और कार्यक्रमों के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण हैं जिन्हें लागू किया गया है। देश में महिलाओं के व्यापक सशक्तिकरण की गारंटी के लिए, सरकार, व्यापारिक समुदाय, गैर-लाभकारी संस्था और आम जनता सभी को मिलकर काम करना चाहिए। जन आंदोलन और जन भागीदारी के माध्यम से सामूहिक व्यवहार परिवर्तन भी आवश्यक है।

हमारा समाज कहता है, पृथ्वी पर सबसे मूल्यवान वस्तु स्त्रियाँ हैं। आइए इस धरती पर हर महिला को सलाम करें। महिलाएं समाज की वास्तविक वास्तुकार हैं, वे जो चाहें वह बना सकती हैं।% ÷एक महिला क्या चाहती है÷? - समय, देखभाल और बिना शर्त प्यार, आदि। इस धरती पर प्रत्येक महिला गरिमा, संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है। नारी के बिना यह संसार सूना और अंधा है। महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निजी जीवन में महिला की भागीदारी काफी प्रभावशाली है। कई समाज घरों और समुदायों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को नजरअंदाज करते हैं। महिलाओं के अवैतनिक श्रम को अक्सर न तो महत्व दिया जाता है और न ही जीडीपी में शामिल किया जाता है, जो अक्सर अनदेखा और गैर-मान्यता प्राप्त रहता है। अब यह पहचानने का समय आ गया है कि उनकी भूमिका और योगदान कितने महत्वपूर्ण हैं। आइए सुनिश्चित करें कि दोनों लिंग एक-दूसरे को भागीदार के रूप में देखें।

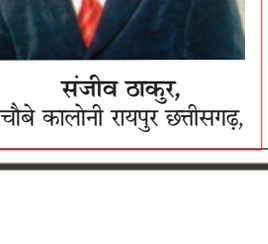

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब मानव जीवन में और हो सकता है खतरनाक?

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैंद्य विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34त्न बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

जम्मो प्रदेशवासी
मन ला
हरेली
तिहार
के गाड़ा-गाड़ा
बधाई
भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
हमारी परंपराएं
हमारी समृद्धि का आधार
किसानी बनी फायदे का सौदा
24 लाख किसानों को देश में धान का सर्वाधिक लाभ
अब प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी
गोधन से बरस रहा धन
गोबर और गोमूत्र से 508 करोड़ रु की आय
गौठानों में लाखों ग्रामीणों को रोजगार
गोधन न्याय योजना
संवाद 37732/60
Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकृति के प्रति आस्था व अच्छी फसल की कामना के साथ मनाया जाएगा हरेली त्यौहार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2023(घटती-घटना)।
आज पूरे प्रदेश में हरेली त्योहार का त्योहार मनाया जाएगा। प्रदेश का पहला त्यौहार हरेली को प्रकृति के प्रति आस्था का भाव रखते हुए तथा अच्छी फसल होने की कामना के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। हरेली त्योहार के दिन से ही इस बार प्रदेश में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के सीजन 2 का आयोजन शुरू किया जा रहा है। सोमवार से शुरू होने वाले पारम्परिक खेलों की प्रतियोगिता के लिए इस वर्ष लोगों में दोगुना उत्साह देखने को मिल रहा है। कलेक्टर कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में जिले में तैयारियां जोरों पर जारी है, उन्होंने सर्व सम्बन्धितों को आवश्यक तैयारी हेतु दिशा-निर्देश दिए हैं तथा अधिक से अधिक लोगों को पारंपरिक खेलों में भाग लेने प्रोत्साहित करने कहा है। हरेली त्योहार के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन मेण्ड्राकला गौठान में किया जाएगा। साथ ही सभी विकासखंडों में विकासखंड

स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

पारम्परिक खेलों में जोर आजमाएंगे खिलाड़ी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढिय़ा पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने, खेलों के प्रति जागरूकता फैलाने, खिलाडिय़ों को मंच प्रदान करने और खेल भावना का विकास करने के उद्देश्य से शुरू किए गए छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में इस वर्ष 14 की जगह 16 खेलों का आयोजन होना है। छत्तीसगढिय़ा ओलंपिक के जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन मल्टीपर्पस ग्राउंड में 12 बजे से किया जाएगा।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में गिल्ली-डंडा

गिल्ली-डंडा, पिट्ठुल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, बांटी (कंचा), बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़, लंबीकूद तथा रस्सीकूद एवं कुश्ती को शामिल किया गया है। ये सभी खेल दलीय एवं एकल श्रेणी में आयु वर्ग 18 से कम, 18-40 और 40 से उपर महिला तथा पुरुष दोनो समूह के लिए होगा। राजीव युवा मितान क्लब से शुरू होकर राज्य स्तर तक 6 चरणों मे आयोजित होने वाली प्रतियोगिता का समापन 27 सितम्बर को होगा।

एक बार फिर जिले का नाम रोशन करने खिलाड़ी हैं तैयार

पिछले वर्ष छत्तीगढ़िया ओलम्पिक में हिस्सा लेकर 18 वर्ष आयुवर्ग में संखली खेल में राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले राजकुमार की टीम इस बार भी पूरी तरह तैयार है, उनका कहना है कि हमारी टीम ने दोगुनी मेहनत की है और इस वर्ष हम प्रथम स्थान लाकर जिले का नाम रोशन करेंगे। वहीं पिट्ठुल में राज्य स्तर पुरुष वर्ष में 18 वर्ष से कम आयुवर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम के संतोष सिंह ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए बताया कि उन्हें बहुत खुशी है कि पुन- छत्तीसगढ के पारम्परिक खेलों वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा, उनकी टीम के सभी सदस्य बहुत उत्साहित है।

20 लीटर महुआ शराब सहित 1 गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर ,16 जुलाई 2023(घटती-घटना)।
पुलिस अधीक्षक श्री आई कल्याण एलिसेला ने अवैध कार्यों एवं नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में रविवार को चौकी लटोरी पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति सुन्दरगंज से छत्तरपुर चौक होते हुए अम्बिकापुर की ओर मोटर सायकल में अवैध शराब बिक्री करने हेतु ले जाने वाला है। सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए

घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित बलागर सारथी उर्फ छोटू पिता पिताम्बर सारथी उम्र 28 वर्ष निवासी कोरेया, थाना जयनगर को पकड़ा, जिसके कब्जे से 20 लीटर महुआ शराब कीमत 3 हजार रूपये का पाया गया। मामले में महुआ शराब व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी धनंजय पाठक व उनकी टीम सक्रिय रही।

एलएलएम की परीक्षा में पाठ्यक्रम से बाहर सवाल पूछे जाने से विद्यार्थी रहे परेशान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2023(घटती-घटना)।
संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा द्वारा संचालित एलएलएम-4 परीक्षा में प्रश्नपत्र में पाठ्यक्रम से बाहर प्रश्नों का समावेश करने का मामला सामने आया है। इस मामले में परीक्षार्थी आरएन गुप्ता ने कुलपति को पत्र लिखकर सत्यापन कराने व परीक्षा निरस्त किए जाने की मांग की है। आरएन गुप्ता ने पत्र के माध्यम से कुलपति को अवगत कराया है कि 15 जुलाई को एलएलएम-4 की परीक्षा संपन्न हुई। जिसके प्रश्नपत्र में पाठ्यक्रम से बाहर के प्रश्नों का समावेश किया गया है था। वहीं पूर्व में 13 जुलाई की परीक्षा में प्रश्नों की पुनारावृत्ति एवं अटपटे, अधुरे प्रश्न जिसका समुचित उत्तर संभव नहीं है।

एटीएम कार्ड बदलकर रुपए ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2023(घटती-घटना)।
सरगुजा पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने के मामले में अंतर्राज्यीय गिरोह के दो सदस्यों को सारंगढ़ से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार, 39 हजार रुपए नकद, 8 नग मोबाइल, 23 नग एटीएम कार्ड, 3 नग चेक बुक, 6 नग फर्जी आधार कार्ड, 4 नग ड्राइविंग लाइसेंस जब्त किया हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दी है।
पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामध्यान सिंह उम्र 75 वर्ष मणिपुर थाना क्षेत्र के दरीपारा का रहने वाला है। वह 9 जुलाई को बिलासपुर चौक के पास स्टेट बैंक के एटीएम में रुपए निकालने गया था। प्रोसेस करने के बाद भी एटीएम से रुपए नहीं निकलने पर वहां पर पहले से मौजूद दो युवकों ने वृद्ध को रुपए निकालने में मदद करने का दिखावा कर छल पूर्वक उसका एटीएम कार्ड बदल लिया और रुपए नहीं निकल रहा है कह कर वृद्ध को वापस भेज दिया गया। इसके कुछ देर बाद अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से 50 हजार 7 सौ 55 रुपये वृद्ध के खाते से आहरित करने का मौसेज मोबाइल पर आया। इसे देख वृद्ध के होश उड़ गए। उसे समझते देर नहीं लगा और वह तत्काल मणिपुर थाना

पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराया। पुलिस अज्ञात युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। घटनास्थल से प्राप्त सीसीटीवी फूटेज व साइबर सेल से आवश्यक तकनिकी जानकारी प्राप्त किया गया। इसके बाद एसपी सुनील शर्मा ने एक संयुक्त पुलिस टीम का गठन कर आरोपियों का पता तलाश की जा रही थी। तकनिकी जानकारी के आधार पर संयुक्त पुलिस टीम जिला सारंगढ़ में आरोपियों की घेराबंदी कर पकडक़र पूछताछ किया गया जो अपना नाम धीरू यादव पिता कन्हैया लाल यादव उम्र 19 वर्ष साकिन बारीपुर पोस्ट गौरीगंज थाना अमेठी (उत्तरप्रदेश) व असलम अली उर्फ हैदर पिता रफीक उम्र 40 वर्ष हाल मुकाम मुड़ापारा चौकी मानीकपुर जिला कोरबा (छग) मूल निवासी रामापुर थाना हतनपुर जिला प्रतापगढ़ (उत्तरप्रदेश) का होना बताया। पुलिस ने दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ करने पर रुपये निकालने में मदद करने के नाम पर एटीएम कार्ड बदलकर 50 हजार 7 सौ 55 रुपय ठगी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अंबिकापुर लाया और दोनों के खिलाफ धारा 420 व 34 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस ने बताया कि ये दोनों आरोपी काफी शातिर हैं। कार से घटना को अंजाम देने विभिन्न शहर में पहुंचते थे। और काफी कम चहल पहल वाले स्थान पर लगे एटीएम कार्ड को अपना निशाना बनाते थे। दोनों आरोपी अंबिकापुर में घटना करने के बाद मध्यप्रदेश के मंडला, जबलपुर, मैहर, कटनी, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा में घटना को अंजाम देने के बाद सारंगढ़ में पहुंचे थे। सारंगढ़ पुलिस की सहायता से दोनों आरोपियों को सरगुजा पुलिस गिरफ्तार करने में सफल रही।

कार्रवाही में ये रहे शामिल

कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय,ि वशेष पुलिस टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, आरक्षक सत्येंद्र दुबे, संजीव चौबे, बृजेश राय,अंशुल शर्मा, अमित विश्वकर्मा, अतुल शर्मा, इम्तियाज अली शामिल रहे।

बच्चे देश के भविष्य हैं,उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सब का कर्तव्य

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 जुलाई 2023(घटती-घटना)।.
यूनिसेफ, छत्तीसगढ़ बाल अधिकार वेधशाला (सीसीआरओ) एवं वसुधा महिला मंच द्वारा क्लेक्टर बंगला के पीछे विद्या मंदिर प्राथमिक शाला अम्बिकापुर में बाल सभा आयोजित किया गया। वसुधा महिला मंच की प्रमुख वरिष्ठ समाजसेविका वन्दना दत्ता ने बताया कि यूनिसेफ के सहायता से छत्तीसगढ़ बाल अधिकार वेधशाला छत्तीसगढ़ में जमीनी स्तर पर कार्यरत सामाजिक संस्थाओं का संगठन है, जो बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं अधिकारों के मुद्दों पर निरंतर कार्य कर रहा है। साथ ही भारत के संविधान में बच्चों के जो अधिकार वर्णित हैं, उन्हें सहज और सरल भाषा में बच्चों को बताया। वसुधा महिला मंच के अनुभा डबराल ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं, उनके शिक्षा, पोषण, विकास एवं उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सब का बुनियादी कर्तव्य है। वसुधा महिला मंच की सदस्य ज्योति द्विवेदी ने कहा कि बच्चों के विकास के लिए सक्षम वातावरण का निर्माण करना हम सभी का दायित्व है। बाल सभा के दौरान बच्चों के द्वारा अपनी आवश्यकताओं, समस्याओं एवं अधिकारों को लेकर सामूहिक चर्चा के दौरान कई बिंदु चिन्हांकित किया गया। जिस पर सरकार एवं शासन स्तर पर कार्य करने

की आवश्यकता है। बच्चों ने स्कूल में सामूहिक चर्चा के दौरान यह भी कहा कि पुस्तक के साथ-साथ स्कूल में कॉपी भी दिया जाए। बच्चों के मांग पर तत्काल वसुधा मंच द्वारा कॉपी-पेन बच्चों को उपलब्ध कराया गया। तथा बच्चों के मांग को शासन स्तर तक पहुंचाने की बात कही गई। सरगुजा संभाग में सामाजिक संगठनों द्वारा बाल सभाएं आयोजित कर बच्चों से उनके मुद्दे चिन्हांकित किए जा रहे हैं, अभियान समाप्ति पश्चात यूनिसेफ एवं छत्तीसगढ़ बाल अधिकार वेधशाला एवं छत्तीसगढ़ के सामाजिक संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप में बच्चों के मुद्दों को विभिन्न राजनैतिक दलों से मिल कर इसे उनके घोषणा पत्र में शामिल करवाने तथा आगामी समय में बच्चों के मुद्दों पर प्रमुखता से कार्य करने की मांग की जायेगी। वसुधा महिला मंच द्वारा बालसभा में सहभागी विद्या मंदिर के सभी बच्चों को पौष्टिक खिचड़ी खिलवाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्या मंदिर प्राथमिक शाला की प्रधान पाठिका साधना कश्यप, संगीता महापात्र, जयंती एवं मोनिका का सराहनीय सहयोग रहा।

पौध रोपण कर संरक्षण का लिया संपकल्प

अंबिकापुर. एसपी सुनील शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस लाइन टाइक्रांटो क्लब परिसर में रविवार को पौध रोपण किया गया। इस दौरान क्लब के बालक-बालिकाओं एवं आरक्षक दिवाकर मिश्रा, सीआरपीएफ जवान, दीपेश कृष्णा रंजन व ताइक्रांडो क्लब के प्रशिक्षक राधेश्याम मानिकपुरी द्वारा फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान बच्चों को बताया गया कि वर्तमान में पेड़ बचाना बहुत जरूरी हो गया है। अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लोग लगातार पेड़ काटे जा रहे हैं लेकिन उनकी जगह नए पेड़ नहीं लगा रहे हैं। पर्यावरण की रक्षा को लेकर सभी को पेड़ लगाने के लिए आगे आना चाहिए। ताइक्रांडो क्लब द्वारा पौधरोपण के साथ ही पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेकर वृक्षों को न काटने और उन्हें बड़े होने तक रखरखाव की शपथ ली। पौधरोपण कर समाज हित में जल संरक्षण एवं जन-स्वास्थ्य अभियान का संदेश दिया गया।

हत्या के आरोपी को प्रेमनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर ,16 जुलाई 2023(घटती-घटना)।
विगत शनिवार को ग्राम नावापाराकला थाना प्रेमनगर निवासी देवमुनिया पति सोहन राम ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 4 जुलाई को घर का खपर छानी छाने के लिए इसका समधी जीतन और गांव के 1 व्यक्ति को बुलाये थे जो इसके पति एवं बेटा के साथ मिलकर छानी छाने के बाद खाए पीए इस दौरान जीतन (गुंगा) ने इसके पति सोहन को इशारे से बोला कि तुम्हारा लड़का मेरी बेटी को भगा कर लाया है और शादी नहीं किया है तुम दोनों का शादी करा दो और एक बकरा दो तब इसका पति तुम अपनी बेटी को अपने घर ले आओ मैं बकरा नहीं दूंगा और शादी भी नहीं कराउंगा जिस पर जीतन नाराज होकर सोहन को लात घुसा से मारपीट किया, अगले दिन सोहन को उपचार बैकुण्ठपुर अस्पताल ले गए जहां ईलाज कराकर वापस घर लाए और 6 जुलाई को जिला अस्पताल अम्बिकापुर ले गए, उपचार के दौरान सोहन राम की 15 जुलाई को मृत्यु हो गई। पति सोहन को जीतन राम के द्वारा जमीन में पटककर मारपीट करने से आई चोट के कारण मृत्यु हुआ है। रिपोर्ट पर धारा 302 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी प्रेमनगर को दिए। थाना प्रेमनगर पुलिस ने दबिश देकर आरोपी जीतन राम पिता दयाराम उम्र 38 वर्ष निवासी नावापाराकला, थाना प्रेमनगर को पकड़ा। पूछताछ पर उसने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिसे गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह व उनकी टीम सक्रिय रही।

50 सीटर आदिवासी कन्या छात्रावास भवन का जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने फीता काटकर किया उद्घाटन

-संवाददाता-
लखनपुर,16 जुलाई 2023(घटती-घटना)।
ग्राम जूनाडीह स्थित शासकीय पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास लखनपुर का जिला पंचायत उपाध्यक्ष व रेडक्रास सोसायटी चेयरमैन आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में नवनिर्मित भवन का फीता काट उद्घाटन करते हुए कन्या छात्रावास परिसर में पौधारोपण किया। जानकारी के मुताबिक लखनपुर स्थित आदिवासी कन्या छात्रावास भवन में प्री और पोस्ट मैट्रिक छात्रावास एक साथ संचालित हो रहा था। जिससे छात्र-छात्राओं सहित कर्मचारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसे लेकर विधायक प्रतिनिधि विक्रमादित्य सिंहदेव जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येस्वर शरण सिंहदेव के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव से आदिवासी कन्या छात्रावास का नया भवन बनाए जाने की मांग की गई थी। मांगो उपरांत कैबिनेट मंत्री टीएस सिंह देव के द्वारा नए भवन की स्वीकृति दिलाई गई। स्वीकृति मिलने उपरांत लगभग दो करोड़ की लागत राशि से लखनपुर विकासखंड के ग्राम जूनाडीह स्थित 50 सीटर शासकीय पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य करा भवन तैयार किया गया। 16 जुलाई दिन रविवार को उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें उपाध्यक्ष अमित सिंहदेव, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विरेंद्र सिंह देव, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विनोद गुप्ता शराफत संजीदा खानम, अफसरी बेगम, सोगरा बेगम,,आरती गुप्ता सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भवन का निरीक्षण किया तत्पश्चात छात्रावास अधीक्षक तथा कर्मचारियों के द्वारा अतिथियों को बेच लगा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येस्वर शरण सिंहदेव, विधायक प्रतिनिधि विक्रमादित्य सिंहदेव ,जनपद अध्यक्ष मोनिका सिंह पैकरा, जनपद अली, दिनेश तायल, रमेश जायसवाल, गप्पू खान, इरशाद खान, मोजीब खान, राम सुजान द्विवेदी, शैलेश पांडे, रमजान खान, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थिति में जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येस्वर शरण सिंह देव ने फीता काटकर 50 सीटर नवनिर्मित आदिवासी कन्या छात्रावास भवन का उद्घाटन किया तथा नवनिर्मित अतिथियों के द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी और माता सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया साथ ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों को संबोधित किया। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि विक्रमादित्य सिंह देव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने 50 सीटर शासकीय पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास को 100 सीटर बढ़ाए जाने की मांग सहित लखनपुर स्थित प्री मैट्रिक छात्रावास को 50 सीटर से 100 सीटर बढ़ाए जाने तथा नए भवन बनाए जाने की मांग जिला पंचायत उपाध्यक्ष व रेडक्रास सोसायटी चेयरमैन आदित्येश्वर शरण सिंह देव के समक्ष रखी गई। जिस पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येस्वर शरण सिंहदेव ने आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त डीपी नागेश से चर्चा करते हुए पहल करने का आश्वासन दिया है। साथ ही आदिवासी कन्या छात्रावास परिसर में पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त डीपी नागेश स्थरू बीआर खांडे ,मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेद प्रकाश पांडे, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पीएस मार्को, मंडल संयोजक अरविंद गुप्ता, भानु प्रताप सिंह, मनीष वर्मा, उपेंद्र सिंह, अनिल गुप्ता, सहित विकासखंड के समस्त छात्रावास के अधीक्षक मौजूद रहे।

भाजपा के विरोध पर पलटवार करने की बजाए मनेंद्रगढ़

विधायक पत्रकारों से कराते दिखे अपनी ही समीक्षा

» पत्रकार ने पूछा सवाल विधायक ने कहा आप भाजपाई हो या पत्रकार

» मनेंद्रगढ़ विधायक हमेशा अपने ही किए कार्य पर हो जाते हैं आलोचनाओं का शिकार

» विधायक के प्रेसवार्ता में पत्रकारों की चुप्पी समझ के परे,सैकड़ों सवाल के बावजूद सवाल का दिखा अकाल

-रवि सिंह-

मनेंद्रगढ़ 16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। भाजपा के द्वारा मनेंद्रगढ़ विधानसभा के चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में भ्रष्टाचार की बारात निकालने के बाद स्थानीय विधायक ने आनन-फानन में मनेंद्रगढ़ में आयोजित की प्रेस वार्ता जहां पर वह पूर्व विधायक के ऊपर पुराने आरोप को ही लगाते नजर आए और उन आरोपों की कमियों पर पत्रकार सवाल पूछ पाने में असमर्थ दिखे, पत्रकार विधायक की सुनते रहे और 1-2 पत्रकारों ने यदि उनसे सवाल पूछने की कोशिश भी की तो विधायक ने कहा आप पत्रकार हैं या फिर भाजपा के नेता? अब यह बात पत्रकार को नागवार गुजरी तो जरूर पर वह भी कुछ बोल नहीं पाए, अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब पत्रकार नहीं भाजपा के नेता थे तो उन्हें बुलाया ही क्यों गया? आनन-फानन में किया गया प्रेसवार्ता उन्हीं के लिए उल्टा पड़ गया, प्रेसवार्ता के दौरान स्थानीय विधायक अपनी ही समीक्षा पूछते में नजर आए, वह खुद भी अपने कार्यों को लेकर कॉन्फिडेंस नहीं है, जिस वजह से पत्रकारों से पूछ रहे थे कि मेरी क्या स्थिति है? और पत्रकार भी उन्हें क्या बताते हैं कि उनकी क्या स्थिति है? क्योंकि वह बुलाए हुए पत्रकार थे और ज्यादा उनसे बोल सकते नहीं थे, हो सकता है कि ज्यादा सवाल पूछने पर उन्हें मिलने वाला पुरस्कार नहीं मिलता? विधायक ने पूरे पत्रकारवार्ता के दौरान अपनी आगामी चुनाव में जीत हार की स्थिति पर ही ज्यादा समीक्षा की और पत्रकारों से इस बात की पुष्टि चाही की क्या वह जीत सकते हैं क्या उनकी दावेदारी मजबूत है?

आखिर विधायक जी को पत्रकारों से अपनी समीक्षा क्यो करानी पड़ी?

मनेंद्रगढ विधायक को पत्रकारों से अपनी ही समीक्षा करते पत्रकार वार्ता में देखा सुना गया। विधायक पत्रकारों से यही पूछते रहे की उनकी स्थिति आगामी विधानसभा चुनाव में क्या होगी? उनके टिकट मिलने को लेकर क्या संभावनाएं हैं और उनकी जीत कितनी तय है, अब विधायक के द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता के बाद यह सवाल उठता है की आखिर विधायक को पत्रकारों से अपनी ही समीक्षा क्यों करवानी पड़ रही है, क्या विधायक अपने ही कार्यकाल से संतुष्ट नहीं हैं? क्या उन्हे विश्वास खुद के कार्यकाल पर नहीं है? जो वह पत्रकारों से ही खुद की समीक्षा प्राप्त कर रहें हैं? विधायक की तरफ से पत्रकार वार्ता में भ्रष्टाचार की बारात को लेकर जवाबी दांव खेलना था लेकिन वह अपनी ही समीक्षा पत्रकारों से करते देखे गए जो पत्रकार वार्ता का पूरे आयोजन में देखा सुना गया।

पत्रकार विधायक से सवाल क्यों नहीं कर पाए?

पत्रकार वार्ता में पत्रकार विधायक से सवाल नहीं पूछ पाए, पूरे पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक के ही सवाल सुने गए जो उन्होंने पत्रकारों से पूछे और विधायक ने जो कुछ खुद भाजपा नेताओं पर आरोप लगाए उन्हीं पर पत्रकारों के पास जवाब आए, एक भी पत्रकार विधायक से सवाल पूछ पाने में सफ़ल नहीं हुआ, जिस पत्रकार ने सवाल पूछा भी उसे भाजपाई कहकर विधायक ने चुप करा दिया, इस तरह पत्रकार वार्ता संपन्न हुई। विधायक पूरी तरह सत्ता की धमक पत्रकारों पर दिखाते नजर आए और पत्रकार भी इसी वजह से विधायक की ही सुनते रहे और खुद कोई सवाल उन्होंने ने नहीं पूछा।

विधायक की प्रेस वार्ता में सिर्फ विधायक की सुनी पत्रकारों ने

विधायक द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकार इतने मजबूर नजर आए की उन्हे वही कुछ सुनना पड़ा जो विधायक ने उन्हें कहा विधायक पूरी तरह तैयारी से पहुंचे और जिन भाजपा नेताओं पर उन्हे आरोप लगाने थे उन्होंने आरोप लगाए लेकिन पत्रकारों को कोई सवाल पूछने की छूट उन्होंने नहीं दी, इस तरह पत्रकार भी भ्रष्टाचार की बारात मामले में विधायक से पूछने जो सवाल लेकर पहुंचे थे, वह सवाल वापस लेकर लौट आए। विधायक ने भ्रष्टाचार की बारात मामले में भाजपाइयों पर ही सवाल उठाए और भाजपा के युवा मोर्चा के नेताओं पर जुआ मामले में आरोप भी लगाए, जबकि विधायक को जवाब देना था की उनके कार्यकाल में उनकी ही सरकार में जुआ हो कैसे रहा है वह जवाब देने की बजाए खुद प्रश्न ही करते रहे आरोप ही लगाते रहे।

विधानसभा से जुड़े कई सवाल फिर भी पत्रकारों के पास दिखा सवालों का अकाल

मनेंद्रगढ़ विधानसभा से जुड़े कई ऐसे सवाल थे जो पत्रकार चाहते तो विधायक से पूछ सकते थे,भ्रष्टाचार की बारात में ही जो आरोप भाजपा ने विधायक पर लगाए वह भी सवाल थे जो पत्रकार पूछ सकते थे लेकिन पत्रकारों के पास सवालों का अकाल दिखा,विधानसभा क्षेत्र में जुआ,अवैध शराब,अवैध कबाड़,अवैध कोयला उत्खनन,सड़कों की गुणवत्ता,स्वेक्षानुदान बंदरबांट सहित निगम की लचर स्थिति जिनको लेकर भाजपा की भ्रष्टाचार की बारात आयोजित थी जो सवाल हो सकते थे वह सवाल भी पत्रकार नहीं पूछ सके। इसके पीछे की वजह यह भी रही की जब स्वेक्षानुदान में खुद ही लाभार्थी हों पत्रकार ऐसे में सवाल पूछने की हिम्मत कौन दिखाए।

पत्रकारों के लिए यह थे सवाल पर पूछने की हिम्मत नहीं दिखी...

- **सवाल-** विधायक से पूछ सकते थे की पूर्व विधायक ने यदि अपने कार्यकाल में जमीन बनाई है तो कितनी जमीन बनाई है इसकी सूची प्रदान करें?
- **सवाल-** यदि अपने कार्यकाल में बहुत ज्यादा जमीन व संपत्ति अर्जित की है तो यह मामला आय से ज्यादा संपत्ति का है आखिर इसका आरोप क्यों नहीं है अब तक पूर्व विधायक पर?
- **सवाल-** कितने वन भूमि पट्टा उन्होंने फर्जी तरीके से लिए इसकी सूची कहां है?
- **सवाल-** 2018 से 2023 तक पूर्व विधायक के मामले में आप क्यों रहे चुप?
- **सवाल-** आखिर चुनाव से पहले ही आरोप क्यों? उससे पहले आपको क्या नहीं पता था? जबकि आप खुद विधायक के दावेदार थे यहां तक कि विपक्षी नेता भी?
- **सवाल-** किन-किन आदिवासी व्यक्ति की पूर्व विधायक ने ली जमीन और किन-किन आदिवासियों को किया उन्होंने प्रताड़ित इसकी सूची भी मांग नहीं पाए पत्रकार?

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने सावन सोमवार एवं हरेली तिहार की दी शुभकामनाएं

-संवाददाता-

कोरबा 16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कोरबा वासियों को सावन सोमवार एवं छत्तीसगढ़ संस्कृति की लोकपर्व हरेली तिहार की शुभकामनाएं दी है। शुभकामना संदेश में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि भोलेनाथ के साथ-साथ छत्तीसगढ़ महतारी के आशीर्वाद से प्रत्यक प्रदेश वासियों को जीवन में वैभव, ऐश्वर्य, उन्नति, आदर्श प्रसिद्धि तथा दीर्घायु जीवन मिलें। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोक तिहार हरेली पर कहा के यह हरेली तिहार छत्तीसगढ़ के जन-जीवन में रचा-बसा खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्यौहार है। इसमें अच्छी फसल की कामना के साथ खेती-किसानी से जुड़े औजारों जैसे नागर, गैंती, कुदाली, फावड़ा

समेत कृषि के काम आने वाले सभी तरह के औजारों की साफ-सफाई कर पूजा की जाती है। इस दिन धरती माता की पूजा कर हम भरण पोषण के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। इस तिहार को गावों में बड़े उत्साह और उमंग से मनाया जाता है।

3 बार के जिला पंचायत सदस्य...13 साल से नंगे पाव

गांवों को लिया आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प अफसरों से भी करते है ऐसे मुलाकात

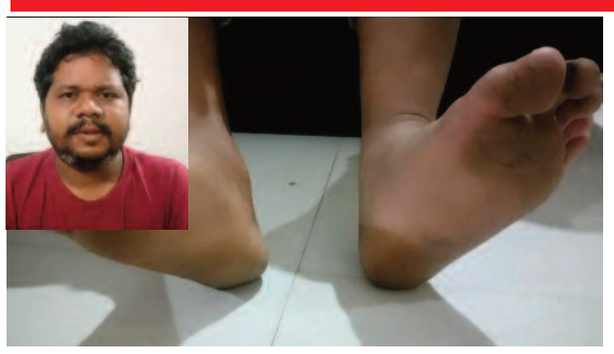

-रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़ 16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। नए जिले मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में चले जाइये और पूछिये नंगे पाव कौन है, हर कोई बात देगा जिले के भरतपुर ब्लाक में एक नेता ऐसा भी है जिसने व्यवस्था की बदहाली के विरोध में या यूं कहिए कि प्रशासनिक बेहोशी के खिलाफ एक अनूठा अंदाज अपनाकर 13 बरस से वह नंगे पांव घूम रहा है। सिस्टम की बदहाली के खिलाफ उसने नंगे पाव रहने का संकल्प लिया है। वह 3 बार से जिला पंचायत सदस्य अलग अलग क्षेत्रो से निर्वाचित होते आ रहे है। जिला पंचायत रविशंकर सिंह अपने नंगे पाव चलने की कहानी बताते हुए कहते है कि मैं एक गांव जा रहा था वहां पर एक बुजुर्ग व्यक्ति तपती धूप में नंगे पाव जा रहा था उसके पैर में छाले पड़ गए थे, तो मैंने अपने पैरों के चप्पल उसी वक्त उस बुजुर्ग को दे दिया। और उसी दिन से चप्पल त्याग दिया। फिर गांव जाकर देखा कि गांव के हालात बद से बदतर है तो मैंने यह ठान लिया जब तक गांव की तस्वीर नहीं बदलेगी मैं नंगे पाव ही रहूंगा।

जब तक बदलाव नहीं, तब तक नंगे पैर

एलएलएम शिक्षा प्राप्त 36 वर्षीय रविशंकर बीते 13 साल से नंगे पैर क्यों चलते है पूछने पर बताते है कि नंगे पैर रहकर मैं यह एहसास करता हु कि, आज भी मेरे जैसे सैकड़ो लोग है जिनके पैर में छाले पड़ते होंगे, कांटे लगते होंगे, ठंड में पैर ठिठुरता होगा और यही तकलीफ मुझे भी होती है तो मुझे एहसास होता है कि आज भी गांवों में लोग आभावग्रस्त जीवन जीने को मजबूर है। जब तक मेरे क्षेत्र में बदलाव नही होगा तब तक मैं नंगे पैर चलकर के तकलीफ सहता रहूंगा और उनके बीच मे रहकर के काम करता रहूंगा।

एलएलएम शिक्षा प्राप्त है

भरतपुर ब्लाक के निवासी जिला पंचायत सदस्य नंगे पैर नाम से क्षेत्र में प्रसिद्ध रविशंकर ने व्यवस्था से खिन्न होकर अपने पैरों से चप्पल उतार दिए थे। चुनाव जीतने के बाद भी उसने चप्पल नहीं पहनी है। आज भी वह नंगे पांव रहता है। जिला पंचायत क्षेत्र में पहुंचता है, समस्याएं सुनकर लिखता है और नंगे पांव ही अफसरों से मुलाकात कर ग्रामीणों की समस्या का निदान करता है। उसके यही व्यवहार ने उसे जिला पंचायत सदस्य चुनाव में जीत की हैट्रिक दिलाई वो भी बड़े अंतर से।

बालको क्षेत्र में पहुंचा हाथियों का दल

-संवाददाता-

कोरबा 16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। जिलान्तर्गत लेमरू क्षेत्र में हाथियों का दल कुछ दिन पहले विचरण कर रहा था । बताया जा रहा हैं की विचरण करते हुए बालको नगर के समीप आ गया है। वन विभाग ने अलर्ट भी जारी के साथ साथ मुनादी भी कर रही है । हाथियों का दल लगभग 14 से 15 बताया जा रहा हैं साथ ही इस दल में तीन बेबी एलीफेंट भी है। वन विभाग बालको नगर बैरियर के पास किसी को नहीं जाने दे रहा है। उनका कहना है कि हाथी नजदीक में आ गया है। सूत्रों के अनुसार राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल बालकोनगर बैरियर के पास आश्रम में आए थे तो वन विभाग ने उन्हें जानकारी दी। कुछ युवकों ने हाथियों का दल देखा था। हाथियों के दल समीप आने की सूचना के बाद बालको नगर कॉलोनी में भय का माहौल व्याप्त है। वन विभाग लगातार मुनादी और अलर्ट जारी कर रहा है। साथ ही हाथी का लोकेशन व निगरानी विभाग की टीम लगातार रही है जिससे हाथी शहर की ओर रुख न कर सके।

हरेली तिहार में पशु चिकित्सा विभाग कोरबा द्वारा गौठानों में शिविर का होगा आयोजन

-संवाददाता-

कोरबा 16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छग शासन के निर्देशानुसार 17 जुलाई सोमवार को जिले में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक उत्सव हरेली तिहार सभी गौठानो मे विधि विधान एक साथ मनाया जाएगा। इस संबंध मे पशुधन विकास विभाग के उपसंचालक डॉ एस पी सिंह द्वारा जिले के सभी पशु चिकित्सकों एवं संस्था प्रभारियों की वर्चुअल बैठक कर इस संबंध मे दिशा निर्देश दिया गया। कार्यक्रम मे पशु चिकित्सा शिविर के साथ पशुधन विकास विभाग की योजनाओ को व्यापक रूप से प्रचारित करने निर्देश दिए गए हैं । इसके साथ ही शासन के निर्देशानुसार सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करने कहा गया है। हरेली तिहार पर आयोजित कार्यक्रम में पशुओं की पूजा के साथ उनका कृमिनाशक दवापन किया जाना प्रमुखता से सम्मिलित है। साथ ही सभी गौठानों मे उपस्थित पशुओं का किलनी रक्षक का

छिड़काव भी किया जाएगा। पशुपालकों से चर्चा अनुसार समस्या निदान सह दवा वितरण करने के साथ मौके पर पशुपालन हेतु किसान क्रेडिट कार्ड हेतु भी आवेदन लिए जाएंगे। हरेली तिहार का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को फसल चराई से बचाने हेतु अपने पशुओं का रोक छेका हेतु प्रोत्साहित करना है । उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कोरबा द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने सभी पशुपालकों और चरवाहों से अपने पशुओं के साथ गौठान मे उपस्थति हेतु अनुरोध किया गया है साथ ही 15 अगस्त से छत्तीसगढ़ में पशु एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की जाएगी। जिले को 6 एम्बुलेंस मिलेंगे। सभी एम्बुलेंस में पशु चिकित्सक और दवाइयाँ होंगी। उपलब्ध टोल फ्री नं 1962 से आपके द्वार तक पहुंच सकेगी।

राशन लेने के लिए किचड़ का सामना करना पड़ रहा है लोगों को

-सोनू कश्यप-

प्रतापपुर 16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। रतापपुर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आने वाले सोसाइटी जोकि प्रतापपुर के स्थानीय रेन बसेरा में संचालित हो रही है उसके सामने भारी कीचड़ एवं मिट्टी के फैलाव सहित गंदगी होने से जहां पहली बारिश में ही प्रतापपुर नगरवासी जोकि कार्डधारक राशन लेने पहुंचते हैं उसके सामने खेत जैसा माहौल हो जाने के कारण भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वही लोग अपना कीमती समय निकालकर राशन लेने आते हैं मगर उसकी चरण में उनकी बाइक साइकिल मोटरसाइकिल सहित महिला पुरुष बच्चे सभी के कपड़े खराब हो जा रहे हैं वही बहुत सारे लोगों के गिरने से छोटी भी हो रहे हैं स्थानीय राशन वितरण रेन बसेरा के सामने पूरा खेत जैसा माहौल देखने को मिल रहा है ऐसा लग रहा है कि ट्रैक्टर से जुताई कर रोपा लगाने की तैयारी की जा रही है जिससे नगर वासियों में आक्रोश है इस कारण से लोग सोसाइटी में चावल लेने तक नहीं पहुंच रहे हैं वहीं पर सोसाइटी के सेल्समैन घर घर में जाकर चावल लेने की आगरा निरंतर कर रहे हैं वहीं आम लोगों में आक्रोश है इस विषय में एसडीएम दीपिका नेताम ने बताया कि उक्त मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल व्यवस्था सुधार हेतु अधिकारियों से बात करती हूं।

जनता के पैसे से हो रहे विकासकार्यों पर एक नजर भी नहीं डालते अधिकारी

» कमीशनखोरी के चलते आपके अधीन पंचायतों में हो रहे स्तरहीन निर्माण कार्य, महीने भी नही टिक पा रहे...

» जनता की गाढ़ी कमाई का हो रहा जमकर दुरुपयोग...

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।आम जनता की पुकार है कि साहब...ग्राम पंचायतों में हो रहे बहुद्देशीय विकास कार्यों पर आफिस से निकलकर दौरा कर एक नजर डाल भी लीजिए ताकि आम जनता के लिए हो रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता कुछ तो सुधरे और कुछ महीनों में दम तोड़ रहे निर्माण कार्य कुछ साल तक तो टिक जाए। आप की निष्क्रियता से जनता द्वारा खून- पसीने से कमाई गई करोड़ो रुपए यूं ही बर्बाद होते हुए भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। अपनी जिम्मेदारी का कुछ प्रतिशत तो जनता के लिए समर्पित कीजिये ताकि जनता की गढ़ी कमाई का कुछ सदुपयोग हो सके। आईएस खडगवा का हाल क्या है..? किसी से भी पूछने पर सीधा सा जवाब देगा भ्रष्टचार, कमीशनखोरी, भाई- भतीजावाद और अफसरशाही के गिरफ्त में है आईएस खडगवा मे बगैर लेनदेन के ना यहां निर्माण कार्यों का मूल्यांकन होता है और ना ही सीसी जारी होती है। सरपंच- सचिवों की कोई सुनता नही ऐसे में वे शिकायत करें भी तो आखिर किससे करें क्योंकि स्वीकृत कार्यों की राशि मे 30 प्रतिशत राशि एसडीओ, उपयंत्री, क्लर्क, लेखापाल को कमीशन देने में निकल जाता है बचे 70 प्रतिशत राशि से अघोषित ठेकेदार अपनी कमाई निकाल मनमाने पूर्वक कार्य कराते है फलस्वरूप

पंचायतों में निर्माण होने वाले सीसी रोड, पुल- पुलिया, नाली, भवन, घाट पचरी निर्माण,गौठान रिटिनिंग वाले निर्माण कार्य, और मनरेगा से संबंधित निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन निर्माण के चलते चंद महीने भी टिक नही पाते और जीर्णशीर्ण होकर कमीशनखोरी की भेंट चढ़ जाते है। यही कारण है कि आज पंचायतों में होने वाले निर्माण कार्यों में गुणवत्ताहीनता बढ़ा है। कुछेक सरपंचों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गुणवत्तापरख कार्य कराने के बाद भी मूल्यांकन एवं सीसी जारी कराने के लिए आर ई एस कार्यालय में भारी भरकम कमीशन देना पड़ता है वो भी मूल्यांकन से पहले राशि ली जाती है तब कहीं जाकर काम होता है नही तो संबंधित अधिकारी उक्त कार्य के लिए टालमटोल करते रहते है आर ई एस कार्यालय में खुलेआम कमीशन की मांग की जाती है और जो सरपंच-सचिव भेंट नही चढ़ाते उनका मूल्यांकन और सीसी महीनों लटका रहता है।

बता दें कि एसडीओ पहले विगत लगभग 14- 15 वर्षों से खडगवा आईएस कार्यालय की कुर्सी पर पहले सब इंजीनियर थे और अब वही पर एस डी ओ के पद पर अजगर की तरह कुंडली मारकर बैठे हुए है जहां उनकी निष्क्रियता का खामियाजा आम जनता भुगत रही है और जनता के पैसे का दुरुपयोग ऐसे अधिकारी के कमाउपन रवैये से सरपंच- सचिवों को दबाव में डालकर पंचायतों में निर्माण कार्य कराने वाले अघोषित ठेकेदारों द्वारा 50- 50 का खेल खेला जा रहा है जहां ग्रामीण जनता की समृद्धि और जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शासन- प्रशासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत जारी होने वाली राशि का अधिकांश हिस्सा अधिकारी व ठेकेदारों की जेब मे जा रही है यानी जारी राशि का अधिकतम 50 प्रतिशत ही विकास कार्यों में खर्च हो रहे है जबकि 50 प्रतिशत का हिस्सा बंट रहा है। एसडीओ काफी लंबे समय से आईएस की कुर्सी से चिपके हुए है। जिसके कारण विभागीय कार्य बुरी तरह प्रभावित हो चला है और योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीर लापरवाही साफ देखने को मिल रही है। हैरत वाली बात है कि मुख्यालय में संचालित शासकीय विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी समय- समय पर बदले गए लेकिन शासन- प्रशासन शायद एसडीओ को भूल गई है या फिर अन्यंत्र स्थान्तरण किये जाने को लेकर उदासीन रवैया अपना रही है जिसके कारण उक्त अधिकारी आज पर्यन्त वहीं के वहीं जमे हुए मनमानी कर रहे है जिसके कारण पंचायतों में विकास योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही है। बहरहाल एसडीओ के भर्राशाही के चलते पंचायतों में होने वाले स्तरहीन निर्माण कार्य एक गंभीर मसला बनकर रह गया है जहां विकास के नाम पर शासन द्वारा स्वीकृत जनता के पैसे का जमकर दुरुपयोग बढ़ता चला जा रहा है।

घटती-घटना की खबर का हुआ असर...सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा द्वारा की गई पदोन्नति पदस्थापना में गड़बड़ी की कमिश्नर करेंगे जांच

काउंसलिंग में उन पदों को छिपाया गया जिनको लेकर हो चुका था लेनदेन,सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय में हुआ कई करोड़ों का खेल

- घटती-घटना ने पदोन्नति पदस्थापना में गड़बड़ी की ख़बर को किया था लगतार प्रकाशित
- पदोन्नति पदस्थापना में संशोधन के नाम पर सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय में हुआ है शिक्षकों से करोड़ों का लेनदेन
- वरिष्ठ की जगह कनिष्ठ को मिली मनचाही पदस्थापना,वरिष्ठ ने भ्रष्टाचार की वजह से छोड़ी पदोन्नति

-रवि सिंह-

अंबिकापुर/बैकुण्ठपुर,16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। भ्रष्टाचार का बड़ा मामला जो शिक्षा विभाग से जुड़ा हुआ है और जिसको लेकर घटती-घटना ने लगतार प्रमुखता से खबर का प्रकाशन किया था की किस तरह शिक्षा की ज्योति जला रहे, शिक्षकों से ही करोड़ों रुपए लिए गए उन्हे मनचाही पदस्थापना देने के लिए और इसके लिए प्रथम पात्र शिक्षक ने भ्रष्टाचार की वजह से पदोन्नति लेना ही छोड़ दिया और लेनदेन कर अपात्र या कनिष्ठ ने दूसरे शिक्षक का हक ले लिया और इस तरह करोड़ों का खेल खेला गया और पूरे मामले को पारदर्शी बताकर भ्रष्टाचार को छिपाया गया। सरगुजा संयुक्त शिक्षा कार्यालय में जिन शिक्षकों ने भ्रष्टाचार की बात जाकर बतानी चाही उन्हे धमकाया गया और कुछ को निलंबित भी किया गया जिससे भय का वातावरण शिक्षकों के बीच बन सके और भ्रष्टाचार को अमली जामा पहनाने में संयुक्त संचालक शिक्षा को कई परेशानी का सामना न करना पड़े। अब भ्रष्टाचार के इस बड़े मामले में जिसमे केवल सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय द्वारा करोड़ों का लेनदेन किया गया है शिक्षकों से उसकी जांच स्कूल शिक्षा विभाग कराने जा रहा है और जांच के बाद कार्यवाही की बात विभाग कर रहा है।

जांच प्रदेश के पांचों संभाग में होने जा रहें हैं और जांच की जिम्मेदारी कमिश्नर राजस्व समस्त संभाग छत्तीसगढ़ को सकूल शिक्षा विभाग ने दिया है और अब पांचों कमिश्नर अपने अपने संभाग में हुए शिक्षक पदोन्नति पदस्थापना मामले के भ्रष्टाचार की जांच करेंगे और वह यह भी देखेंगे की किस तरह पदस्थापना के बाद संशोधन किया गया और संशोधन के नाम पर पैसों का लेनदेन किया गया। संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा ने मामले में आपत्ति दर्ज करने वाले शिक्षकों को किस तरह धमकाया और कैसे उन्हे निलंबित कर उन्हे भयभीत किया जिससे वह शिकायत भ्रष्टाचार की वापस लें और जिससे भ्रष्टाचार का वह अपना खेल खेले सकें। सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय में भ्रष्टाचार का खेल जो खेला गया उसके मुख्य रूप से दो लोग प्रमुख रहे जैसा सूत्रों का कहना है और उनमें एक कार्यालय प्रमुख हैं और दूसरा कार्यालय के ही एक अन्य जो प्रमुख के सबसे खास हैं। अब देखना है की सरगुजा कमिश्नर राजस्व जांच में क्या करते हैं और किस तरह वह भ्रष्टाचार के इस पूरे मामले को उजागर कर शिक्षा विभाग को अवगत कराते हैं।

भ्रष्टाचार को उजागर करने आपत्ति दर्ज करने पहुंचे शिक्षकों को संयुक्त संचालक सरगुजा ने किया था निलंबित, भय बनाने की थी कार्यवाही

सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय द्वारा पदोन्नति प्रक्रिया में भ्रष्टाचार किया जा रहा है और दोषपूर्ण पदस्थापना की जा रही है इसकी जानकारी सबसे पहले पदोन्नति हेतु पात्र उन शिक्षकों को लगी जो वरिष्ठता सूची में वरिष्ठ थे साथ ही जिनका काउंसलिंग उन शिक्षकों से पहले होना था, जो वरिष्ठता सूची में कनिष्ठ थे और जिन्हे मनचाही पदस्थापना मिल चुकी थी और वरिष्ठ को काउंसलिंग में वे रिक्त पद नहीं दिखाए गए जो नियम से पहले वरिष्ठ को दिखाए जाने थे। शिकायत लेकर पहुंचे शिक्षकों को संयुक्त संचालक शिक्षा ने पहले तो काफी भयभीत किया भय दिखाकर कार्यवाही का उन्हे आतंकित किया और बाद में उनमें से कुछ को निलंबित किया और पूरी तरह शिखको के बीच एक भय का माहौल बनाया जिससे वह आगे शिकायत करने न पहुंचे और भ्रष्टाचार का मामला दब सके।

शिक्षकों की शिकायत अक्षरशः सही साबित हुई,संयुक्त संचालक ने जिन विद्यालयों में गलत पदस्थापना की बात से किया था इंकार वहीं हुई गलत पदस्थापना

शिक्षक पदोन्नति पदस्थापना मामले में सरगुजा में गलत हो रहा है और कनिष्ठ को मनचाही पोस्टिंग दी जा रही है और वरिष्ठ को दूरस्थ भेजा जा रहा है जो शासन साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग के पदस्थापना हेतु काउंसलिंग नियम के विपरीत है ऐसी शिकायत जब कुछ शिक्षक करने पहुंचे तब संयुक्त संचालक ने शिक्षकों की शिकायत को यह कहकर खारिज कर दिया की वह गलत बोल रहें हैं और वह साबित नहीं कर सकते जबकि संशोधन के नाम पर उन्हीं स्कूलों में उन कनिष्ठ शिक्षकों को पोस्टिंग मिली जिनकी शिकायत वरिष्ठ शिक्षकों ने की थी। शिक्षकों की संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा से मुलाकात और शिकायत के दौरान किसी ने पूरे वार्तालाप का विडियो भी बनाया था जिसमे संयुक्त संचालक शिक्षा स्वयं कुछ विद्यालयों का नाम लेकर यह कह रहें हैं की जिनकी पदस्थापना की बात शिक्षक शिकायत में कर रहें हैं यदि उनकी पदस्थापना उन्हीं स्कूलों में हुई जो शिकायत में बताई जा रही है तब शिकायत सही मानी जायेगी,वहीं संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा ने संशोधन के नाम पर उन्हीं स्कूलों में पोस्टिंग उन कनिष्ठ शिक्षकों की जिन्हे लेकर वरिष्ठ शिक्षकों ने लेनदेन कर पोस्टिंग की शिकायत की थी।

बिना आदेश वाट्सएप ग्रुप में जारी बधाई संदेश हुआ था वायरल,बिना काउंसलिंग में उपस्थित हुए ही शिक्षकों ने डाली थी अपनी मनचाही पोस्टिंग की जानकारी

पूरा मामला तब सामने आया था जब कुछ कनिष्ठ शिक्षक जो तय दिवस जिस दिवस उनकी पोस्टिंग काउंसलिंग थी वह काउंसलिंग कक्ष में उपस्थित ही नहीं थे और उनकी पोस्टिंग उन्हे मनचाही और घर के आसपास मिल गई है यह जानकारी उन्ही शिक्षकों द्वारा बिना आदेश जारी हुए वॉट्सएप समूह में डाली गई थी और जिसमे बधाई का सिलसिला जारी था,यह बधाई वरिष्ठ शिक्षकों ने भी देखा और तब उन्हे यह अंदाजा हुआ की जो शिक्षक काउंसलिंग में ही नहीं आए और जो कनिष्ठ भी हैं उन्हें कैसे वह विद्यालय पदस्थापना के लिए मिल गए जबकि वह वरिष्ठ होने के नाते उन्हें पहले दिखाए जाने थे और उन्हें नहीं दिखाए गए। यहीं से पूरा मामला उजागर हुआ था।

भ्रष्टाचार के लिए पहले अलग-अलग जिलों में दी गई कनिष्ठ शिक्षकों को पोस्टिंग,फिर आपसी सहमति बताकर खेला गया भ्रष्टाचार का खेल

संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा द्वारा भ्रष्टाचार के इस बड़े खेल को अमली जामा पहनाने सबसे पहले कनिष्ठ शिक्षकों को साथ ही ऐसे रिक्त पदों के विद्यालयों में पोस्टिंग के लिए जो वरिष्ठ शिक्षकों को मिल सकते थे एक दूसरे जिले में ऐसे शिक्षकों को पोस्टिंग दी गई जिनसे पैसे लिए गए थे और उन्हें आश्वस्त किया गया की उनका संशोधन हो जाएगा। बाद में आपसी सहमति बताकर उन शिक्षकों को मनचाही पोस्टिंग दे दी गई जिनसे पैसा लिया गया था।कुल मिलाकर भ्रष्टाचार का पूरा खेल कई चरणों में पूरा किया गया।

जिनसे लिया पैसा उन्हे कार्यभार ग्रहण करने के समय सीमा में दी गई छूट,जिन्होंने नहीं दिया पैसा उन्हे समय सीमा में कार्यभार ग्रहण करने जारी हुआ था आदेश

भ्रष्टाचार के इस बड़े खेल को पूरी तरह सफल बनाने संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा द्वारा उन शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण करने की समय सीमा में पूरा छूट दिया गया जिनसे भी पैसा लिया गया था,पैसा देने वालों को हिदायत थी की उनका संशोधन होना तय है और वह एक संशोधन आवेदन देकर निश्चिंत रहें बाद में उनका संशोधन कर भी दिया गया। जिन्होंने पैसा नहीं दिया था उन्हे समय सीमा में बांधा गया और जल्द से जल्द कार्यभार ग्रहण करने उन पर दबाव बनाया गया। कुल मिलाकर संशोधन की कई शिक्षकों की मंशा पर इसलिए पानी फिर गया क्योंकि उन्होंने पैसा नहीं दिया।

क्या संयुक्त संचालक सरगुजा ने शिक्षकों की संशोधित पदस्थापना सूची जारी कर भ्रष्टाचार को अंतिम रूप दे दिया?

मेडिकल सर्टिफिकेट मामले में भी हुआ भ्रष्टाचार,अयोग्य ने भी लिया अस्वस्थ होने का पोस्टिंग में लाभ

मेडिकल सर्टिफिकेट मामले में भी भ्रष्टाचार हुआ,जिन लोगों को शारीरिक कोई समस्या नहीं है उन्हे भी अस्वस्थ बताकर लाभ दिया गया पोस्टिंग में जिसकी जांच होने पर खुलासा होने की संभावना है। शासन स्कूल शिक्षा विभाग ने कुछ मामलो में शारीरिक अस्वस्थता को आधार बनाकर शिक्षकों को पोस्टिंग में लाभ देने का आदेश जारी किया था जिसमे भी संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा ने लेनदेन कर उन्हे लाभ प्रदान किया जो स्वस्थ हैं और जिन्हे कोई शारीरिक समस्या नहीं है।मेडिकल रिपोर्ट से जिसका खुलासा संभव है।

एक एक पोस्टिंग के लिए लिए गए डेढ़ से दो लाख रुपए

सरगुजा में संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय द्वारा मनचाही पोस्टिंग के लिए एक एक शिक्षक से डेढ़ से दो लाख रुपए लिए गए। इस तरह यह प्रदेश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार है। सैकड़ों की संख्या में संशोधन हुआ जहां पैसा लेकर वहीं फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट के आधार पर भी करोड़ों वसूले गए जिसकी जांच अब होने जा रही है।

ओपन काउंसलिंग नियम की संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा ने उड़ाई धज्जियां,शासन के नियम को बताया धता

सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा ने स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के ओपन काउंसलिंग नियम को ही धता बता दिया,जो काउंसलिंग में नियम था की वरिष्ठता सूची के अनुसार रिक्त पद पहले वरिष्ठ को दिखाए जायेंगे और बाद में क्रमश कनिष्ठ को उस नियम का संयुक्त संचालक शिक्षा ने पालन ही नहीं किया और जिन शिक्षकों ने पैसे पोस्टिंग के लिए दिए उनके लिए पहले से ही पद आरक्षित कर दिए वहीं उन पदों को काउंसलिंग के दौरान हाइड किया गया जिससे वरिष्ठ शिक्षक उन पदों की जानकारी ही प्राप्त न कर सकें और भ्रष्टाचार का खेल खेला जा सके।। जांच होने पर बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा निश्चित है बात केवल निष्पक्ष जांच की है जो शासन की मंशा के खिलाफ की गई कार्यवाही की भी जांच है जिससे शासन की छवि धूमिल हुई है।

ग्रामीणों पर दबाव बना अवैध कारोबार कार्य किया जा रहा है: केवल सिंह

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़, 16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिलाध्यक्ष व उप-सरपंच ग्राम पंचायत साल्ही केवल सिंह मरकाम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि विधायक के गृहग्राम ग्राम पंचायत साल्ही में विधायक श्री गुलाब कमरो के संरक्षण में रहते हैं। उनके करीबियों के द्वारा काफी दिनों से दबंगई के साथ दबाव बना कर कमजोर लोगों का जमीनों को अपने नाम करा/लूट रहे हैं। जंगल मद की भूमि को अवैध पट्टा बनवा रहे हैं। जंगल की नदी से अवैध रेत उत्खनन कर बेचा जाता है।

शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होती है। गरीब ग्रामीणों पर नियम कानून बताया जाता है।और कुछ चहेते लोगों को खुला छूट दे रखें है। ग्राम के सरपंच और पटेल (विधायक के पिता जी) मूकदर्शक बने हुए हैं। क्या होनहार विधायक के द्वारा इन पर निष्पक्ष कार्यवाही करायेगें? या जांच सही पाए जाने पर कार्यवाही नहीं होने पर सरपंच और पटेल अपने पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं? ग्राम पंचायत साल्ही उप सरपंच केवल सिंह मरकाम स्वयं लगा रहे हैं गंभीर आरोप, माग कर रहे निष्पक्ष जांच की, क्या जांच होगी या भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाएगा?

बसदेई में होने वाले हरेली व छत्तीगढ़िया ओलंपिक के जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थल निरक्षण के लिये पहुंचे कलेक्टर

-संवाददाता-

सूरजपुर16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। 17 जुलाई को ग्राम पंचायत बसदेई में आयोजित होने वाले हरेली त्यौहार व छत्तीसगढ़िया ओलंपिक कार्यक्रम का जायजा लेने के लिए कलेक्टर संजय अग्रवाल संबंधित अधिकारीयों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे थे। जहां उन्होने उपस्थित अधिकारीयों को कार्यक्रम के सफलता पूर्वक क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने कार्यक्रम के शामिल होने के लिए जन मानस के लिये पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कहीं। इसके साथ ही उन्होने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रतिस्पधियों के लिये प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये भी संबंधित अधिकारीयों को

निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होने मौसम को ध्यान में रखते हुये सभी स्तर के खेलो का आयोजन समय सीमा के भीतर कराने को कहा।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम, खेल अधिकारी श्रीमती आरती सिंह एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

चेकिंग अभियान के नाम पर दोहरा मापदंड क्यों अपना रहा परिवहन विभाग ?

छोटे बस मालिकों पर लगातार कार्यवाही,अवैध अंतर्राज्यीय चलने वाली राजहंस बसों पर कार्यवाही करने से क्यों कतरा रहे आधिकारी ?

- संभाग में पदस्थ पटेल स्पेक्टर की स्थिति काफी संदिग्ध, बैतूल और उसके भांजे इरशात से निभा रहे मधुर संबंध
- बस मालिक से टैक्स चोरी का 60-40 के फार्मूले में करते हैं बंटवाराःसूत्र
- क्या यही वजह है कि अधिकारी नहीं करते हैं बैतूल की राजहंस बस पर कार्यवाही ?

-रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़/अंबिकापुर 16 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। इस माह में लगातार दूसरी बार प्रदेश के परिवहन विभाग के अधिकारियों के निर्देश पर पुनः प्रदेश स्तरीय चेकिंग अभियान लगाया गया है जिसको लेकर स्थानीय बस मालिकों में काफी रोष व्याप्त है बस मालिकों ने चेकिंग कर रहे अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं उन्होंने कहा है कि अवैध रूप से दर्जनों बस राजहंस कंपनी की चल रही है उन पर कार्रवाई करने से विभागीय अधिकारी कतरा रहे हैं, बार-बार शिकायत करने के बाद भी बिना काउंटर साइन की बसें चलाई जा रही हैं वही ऑर्डिनरी पंजीकृत बसों को एसी स्लीपर के रूप में बना कर चलाया जा रहा है जिससे प्रतिमाह यह कंपनी लगभग छत्तीसगढ़ प्रदेश का लगभग दस रुपए गबंग कर रही है और अधिकारियों के संरक्षण में बसों को चला रही है स्थानीय बस मालिकों ने इन बसों के विरुद्ध लगातार इनके कार्यालयों में लिखित शिकायत भी की है लेकिन परिवहन अधिकारी कुम्भकर्णी चीर निंद्रा में लीन हैं.और धड़ल्ले से बस चलाई जा रही हैं, ऐसी अवैध बस चलने से एक तरफ राजस्व की भारी क्षति हो रही है दूसरी तरफ यात्रा करने वाले यात्रियों को जो पूर्व में इनकी गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हुई है कंपनियां क्लेम देने से मना कर रही है जिसके लेकर दर्जनों यात्रियों के क्लेम आज भी अदालतों में सफर कर रहे हैं, सूत्रों की माने तो टैक्स चोरी में 60 प्रतिशत बस मालिक बस मालिक खाते हैं 40 प्रतिशत अधिकारी खाते हैं यही कारण है कि राजहंस बस पर कार्यवाही नहीं कर रहे हैं, भ्रष्ट आधिकारियों और लालची और षड्यंत्रकारी बस मालिकों के आगे संभाग के यात्री बेबस हो चले हैं और अब इनकी बसों में यात्रा करने से कतराने लगे हैं।

सूत्रों की माने थो बैतूल इरशात नौशात वसीउ रहमान जो आपस में भाई और भांजा है इन लोगों ने छत्तीसगढ़ झारखंड बिहार प्रदेश के सभी परिवहन अधिकारियों के सेटिंग या फिर आंख में धूल झोंक कर इन्होंने बड़े पैमाने में भ्रष्टाचार किया है और आज भी करते आ रहे हैं इन सब का सरगना बैतूल बताया जाता है इसके द्वारा अपने भाई और भांजे को अपना उत्तराधिकारी बना कर तीनों प्रदेश के आर ए के परमिटो को हथिया लिया गया है झारखंड प्रदेश से जेएच 02 एएच 3165 रांची से चिरमिरी परमिट लिया गया है उसे ऑर्डिनरी में पंजीयन कराया गया प्रतिमा लगभग इस बस से 20000 की चोरी की जा रही है जो पिछले 10 वर्षों से चल रही है उसी तरह जेएच 11 5171 भी इसी प्रकार संचालित है जेएच 02 एएक्स 8238 में भी रांची चिरमिरी से परमिट लेकर धड़ल्ले से संचालित कर रहा है सीजी 15 डीपी 3444 सीजी 15 डीआर 1235 छत्तीसगढ़ के एसटीए परमिट लेकर बिना सीएस धड़ल्ले से रांची चलाया जा रहा है नियमों के अंतर्गत यह बात स्पष्ट लिखी जाती है कि जब अंतरराज्यीय बसें संचालित की जाएंगी तो दूसरे राज्य के राज्य परिवहन प्राधिकार से सहमति आवश्यक है नहीं लेने पर परमिट भेद नहीं माना जाएगा इन सब नियमों के बाद भी बैतूल और उसका परिवार नियमित तरीके से बस का संचालन कर रहा है। ऐसे ही कई दर्जन बसें इसके द्वारा लगातार छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश से बिहार झारखंड तक चलाई जा रही हैं, वहीं इन दिनों इस के द्वारा मध्यप्रदेश के राजनगर से पटना तक भी बस का संचालन किया जा रहा है, इस के अतिरिक्त सिर्फ अंबिकापुर से पटना की है लेकिन परिवहन अधिकारी के संरक्षण में एक बस पर डबल परमिट लेकर इसके द्वारा बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी की जा रही है, बारात परमिट लगातार अलग-अलग बसों पर लेता है और अवैध तरीके से राजनगर मनेंद्रगढ़ चिरमिरी से लगातार बस का संचालन कर रहा है, वही इसकी एक बस जो बिना परमिट मनेंद्रगढ़ से रांची चल रही है उसका परमिट चिरमिरी से रांची है, इसने परमिट उठाने से लेकर आज दिनांक तक मनेंद्रगढ़ से चिरमिरी का जो कट परमिट लिया था, आज तक उस पर कोई टैक्स नहीं पटाया है लगभग प्रतिमाह 18000 टैक्स की चोरी करता रहा है, इस तरह से लगभग प्रदेश का लगभग लाखो इस पर टैक्स बकाया है, लेकिन इस बात की खबर परिवहन विभाग के अधिकारियों को नहीं है या फिर 60,40 के फार्मूले में बस मालिक और अधिकारी सरकारी धनराशि को डकार लिए हैं, बैतूल और उसके परिवार के लोगों पर यदि टैक्स की बारीकी से जांच की जाए तो कई करोड़ रुपए की रिकवरी प्रदेश सरकार कर सकती है, इन लुटेरे बस मालिकों से टैक्स रिकवरी के लिए एक ईमानदार अफसर की जरूरत है जो बड़ी ईमानदारी से प्रदेश सरकार को इनसे पैसे की रिकवरी करवा सकें इन्होंने शासकीय धनराशि का गबन करके अंबिकापुर शहर सहित अन्य भागों में करोड़ों रुपए की जमीन खरीद रखी है जो टैक्स रिकवरी के लिए पर्याप्त साधन है इस कंपनी के लिए परिवहन विभाग ने सारे नियम शिथिल कर दिए हैं और यही कारण है कि राजहंस का संचालक अपना डंका बजाने के लिए नंगा नाच कर रहा है और उसका संरक्षण आरटीओ देवांगन और पटेल स्पेक्टर जैसे लोग लगातार दे रहे हैं।

अधिकारी के इशारे पर हो रहा काम

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पता तो यह भी चला है कि आरटीओ देवांगन और पटेल स्पेक्टर धनबल के साथ-साथ इरशात और नौशात के साथ रंगरेलियां भी मनाये जाने की खबर की खूब चर्चा है इन लोगों ने अपने लिए मैनपाट को अपना अय्याशी का अड्डा बनाया हुआ है देर रात यह लोग विभागीय अधिकारियों के साथ उधर निकल जाते हैं परिवहन विभाग के अधिकारियों की सेवा राजहंस कंपनी के द्वारा की जाती है वही उस स्पेक्टर का पुत्र भी इस के काले कारनामे में लगातार सहयोग करता है और कई बार विभाग की गाड़ी लेकर रात रात भर ट्रकों और बसों से अवैध उगाही करता है पूर्व में कुछ बस और ट्रक मालिकों के बीच काफी विवाद हुआ था प्रकरण थाना भी पहुंचा था उसके बाद यह बाप और बेटा थोड़ा ठंडे हुए थे लेकिन अब फिर से इन लोगों ने राजहंस कंपनी के स्टाफ के संरक्षण में फिर नेशनल हाईवे के कई चिन्हअंकित स्थानों में खड़े होकर अवैध वसूली कर रहे हैं इन पटेल बंधुओं का मनोबल इतना बड़ा है कि कई बार जब बस मालिक राजहंस बस की शिकायत करते हैं तो साफ-साफ कहते हैं मैं उन पर कार्यवाही नहीं कर पाऊंगा आपको जहां शिकायत करना है कर दो ऊपर से जब आदेश आएगा तो ही कार्यवाही कर पाऊंगा ऐसे दो टूक जवाब देकर उन पर कार्रवाई करने से यह भ्रष्ट अधिकारी बच रहे हैं।

कार्यालय कलेक्टर सरगुजा,जिला-सरगुजा

एवं पदेन उप सचिव,छ.ग.शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

::अधिसूचना::

अम्बिकापुर दिनांक... रा0प्र0क्र0/15/अ-82/2021-22 चूँकि राज्य शासन को यह समाधात हो गया है कि नीचे अनुसूची के दी गई अनुसूचि में वर्णित भूमि की कोटछाल जलाशय योजना के अंतर्गत डुबान हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुर्नवासन तथा पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम, 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:-

:: अनुसूचि ::

भूमि का वर्णनः-

1.जिला	-	सरगुजा
2. तहसील	-	मैनपाट
3. ग्राम/नगर	-	हर्रामार (मुख्य एवं उपनहर)
4. भूमि का क्षेत्रफल	-	5.724 हेक्टेयर

खसरा न.	रकबा	खसरा न.	रकबा	खसरा न.	रकबा
992/2	0.040	304/1	0.317	803	0.202
993	0.013	304/2	0.317	485	0.231
1001	0.024	304/3	0.317	354	0.073
1000/1	0.037	301	0.202	358	0.034
1000/2	0.129	303	0.227	359	0.040
983/3	0.405	302/1	0.269	692	0.101
440/2	0.161	302/2	0.270	696	0.081
307/2	0.032	836	0.121	992/2	0.101
533/1	0.012	837	0.081	993	0.012
1107	0.097	812/2	0.202	541/1	0.048
1111	0.033	835/1	0.133	543/2	0.245
119/1	0.141	801	0.202	524/2	0.0205
1124/1	0.160	802	0.288		
996	0.081	816	0.040		
कुल खसरा 40 कुल रकबा 5.724					

2. भूमि का नक्शा(प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतापुर के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. उक्त भूमि के अर्जन में किसी भी व्यक्ति का विस्थापन निहीत नही है।

भू-अर्जन अधिकारी
सीतापुर

जी.नं.-03306/1

(कुंदन कुमार)
कलेक्टर सरगुजा
एवं पदेन उपं सचिव छ.ग.शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

प्रियंका ने 20 किमी पैदल चाल में

रजत और विकास ने कांस्य पदक जीता

बैंकॉक ,16 जुलाई 2023। भारत की प्रियंका गोस्वामी और विकास सिंह ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन रविवार को यहां क्रमशः महिलाओं और पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक जीते।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका ने महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल में एक घंटा, 34 मिनट और 24 सेकंड का समय लेकर चीन की यांग लिउजिंग (1:32:37) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। जापान की युकिको उमेनो ने 1:36:17 के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

प्रियंका का सर्वश्रेष्ठ समय हालांकि एक घंटा, 28 मिनट और 45 सेकंड है। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय भावना जाट एक घंटा, 38 मिनट और 26 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रहीं।

पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में विकास ने एक घंटा, 29 मिनट और 32 सेकंड का समय लेकर कांस्य पदक हासिल किया। जापान के युतारो मुरायामा (1:24:40) ने स्वर्ण पदक जबकि चीन के वांग काइहुआ (1:25:29) ने रजत पदक जीता।

भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह रेस पूरी नहीं कर पाए क्योंकि जजों ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था।

विकास का सर्वश्रेष्ठ समय एक घंटा, 20 मिनट, पांच सेकंड है। यह उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला पदक है।

राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 10 किमी पैदल चाल में रजत पदक जीतने वाली प्रियंका और विकास 17 से 29 अगस्त तक हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैंपियनशिप और 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं।

एशियाई गेम में सेलेक्शन पर रिंकू ने जाहिर की खुशी,पोस्ट कर लिखा फाइनली

नई दिल्ली,16 जुलाई 2023। आईपीएल 2023 में कोलकाता नाईट राइडर्स के टॉप स्कोरर रिंकू सिंह ने एशिया गेम्स के लिए भारतीय टीम में चयन होने पर खुशी जताई. रिंकू सिंह ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की. कोलकाता नाईट राइडर्स ने रिंकू के चयन पर उनके फोटो पर फाइनली लिख कर पोस्ट किया था. इसे रिंकू ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपलोड किया. इससे पहले भारतीय टीम की आगामी टी-20 सीरीज के लिए रिंकू सिंह को टीम में जगह नहीं मिली थी. हार्दिक पंड्या की कप्तानी में टीम वेस्टइंडीज 5 टी-20 की सीरीज खेलेगा. आईपीएल स्टार्स शामिल होंगे, लेकिन रिंकू का नाम नहीं है.कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने गुजरात के खिलाफ 5 बॉल पर 5 सिक्स लगा कर अपने नाम का परचम लहराया. इस सीजन आंद्रे रसेल के बुरे फॉर्म में होने के बाद 25 साल के रिंकू सिंह ने कोलकाता के लिए फिनिशर की जिम्मेदार निभाई. 2018 में आईपीएल डेब्यू करने वाले रिंकू ने आईपीएल 2023 में केकेआर के लिए सबसे ज्यादा 474 रन बनाए.

एशियाई गेम टीमः

ऋतुराज गायकवाड (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे और प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)

चेन्नईयिन के मुख्य कोच के तौर पर प्रीमियर लीग के पूर्व मैनेजर ओवेन कोएल की वापसी

चेन्नई ,16 जुलाई 2023। चेन्नईयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग के 2023-24के लिए रविवार को ओवेन कोएल के मुख्य कोच के तौर पर वापसी की घोषणा की जिनसे कई वर्षों का करार किया गया है। ओवेन इस तरह 2022-2023 सत्र के खत्म होने के बाद क्लब में थॉमस बर्डारिक की जगह लेंगे। स्कॉटलैंड के ओवेन तीन बार 'प्रीमियर लीग मैनजर ऑफ द मंथ' पुरस्कार जीत चुके हैं। वह भारतीय फुटबॉल जगत में काफी लोकप्रिय हैं और पिछली बार चेन्नईयिन एफसी को सफलता दिला चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में क्लब 2019-20 आईएसएल के फाइनल में पहुंचा था। चेन्नईयिन के सह मालिक विटा दानी ने विज्ञप्ति में कहा, ''हम ओवेन के चेन्नईयिन क्लब में वापसी से काफी खुश हैं। वह भारत के लिए नये नहीं हैं और हम सभी देख चुके हैं कि वह यहां क्या कर सकते हैं। वह हमारी युवा टीम के मार्गदर्शन के लिए सही कोच हैं, हमें खुशी है कि उनकी वापसी हुई है। '' ओवेन (57 वर्ष) ने 2021-22 में जमशेदपुर एफसी के साथ 43 अंक से आईएसएल शील्ड जीती थी। ओवेन दुनिया की शीर्ष फुटबॉल लीग में से एक इंग्लिश प्रीमियर लीग में भी कोच रह चुके हैं।

दक्षिण क्षेत्र ने पश्चिम क्षेत्र को 75 रन से हराकर दलीप ट्रॉफी जीती

बेंगलुरु ,16 जुलाई 2023। दक्षिण क्षेत्र ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रविवार को यहां पश्चिम क्षेत्र को 75 रन से करारी शिकस्त देकर दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता।

पश्चिम क्षेत्र ने 298 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 182 रन से आगे बढ़ाई और उसकी टीम 222 रन बनाकर आउट हो गई। दक्षिण क्षेत्र की तरफ से बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर और तेज गेंदबाज वासुकी कौशिक ने चार चार विकेट लिये। दक्षिण क्षेत्र में 14वीं बार दलीप ट्रॉफी का खिताब जीता है। इससे उसने पश्चिम क्षेत्र से पिछले साल मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। पिछले साल फाइनल में पश्चिम क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराया था।

प्रियांक पंचाल ने सुबह अपनी पारी 92 रन से आगे बढ़ाई लेकिन वह इसमें केवल तीन रन जोड़कर पवेलियन लौट गए। उन्होंने तेज गेंदबाज विदवथ कावेरप्पा की गेंद पर विकेटकीपर रिकी भुई को कैच थमाया।

इससे पश्चिम क्षेत्र की रही सही उम्मीद ही समाप्त हो गई। कावेरप्पा को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।अतीत सेठ (नौ) और धर्मेंद्रसिंह जडेजा (15) ने आठवें विकेट के लिए 23 रन जोड़े लेकिन इस से वह हार का अंतर ही कम कर पाए। धर्मेंद्र जडेजा ने साई किशोर की गेंद पर लंबा शॉट खेलने के प्रयास में वाशिंगटन सुंदर को कैच थमाया। इसके बाद उन्होंने सेठ को भी आउट किया।

हॉकी इंडिया ने राज्य इकाइयों से जिला स्तर पर नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा

नई दिल्ली,16 जुलाई 2023। हॉकी के विकास के लिए अपनी परियोजनाओं और नीतियों का अधिक प्रभावी तरीके से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हॉकी इंडिया अपने 'सदस्य इकाई पोर्टल' का विस्तार करेगा और इसमें जिला इकाईयों की जानकारी भी शामिल करेगा।

पूर्व भारतीय कप्तान और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि उनका उद्देश्य सभी हिस्सों में सुशासन को बढ़ावा देना है।हॉकी इंडिया ने अपने सदस्य इकाइयों से जिला इकाइयों की कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए कहा है और इसे सदस्य यूनिट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं ताकि राष्ट्रीय संस्था इनकी प्रगति का पता कर सके।टिर्की ने रविवार को जारी बयान में कहा,सदस्य इकाई पोर्टल में जिलों को शामिल करने का कदम जमीनी स्तर पर हॉकी को बढ़ावा देने के प्रति हॉकी इंडिया की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम खेल के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए भारत के सभी जिलों के बारे में जानकारी एकत्रित करें।

कैरी को लॉर्डस में जॉनी बेयरस्टो को आउट करने का खेद नहीं

मैनचेस्टर,16जुलाई 2023। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी को लॉर्ड्स में जॉनी बेयरस्टो को विवादास्पद तरीके से स्टंप आउट करने का कोई खेद नहीं है और उन्होंने कहा कि वह भी पहले इस तरह से आउट हो चुके हैं।

एशेज के दूसरे टेस्ट मैच में कैरी के बेयरस्टो को आउट करने के तरीके पर विवाद पैदा हो गया था और कई विशेषज्ञों ने इसे खेल भावना के खिलाफ करार दिया था।मैच के चौथे दिन बेयरस्टो ऑल राउंडर कैमरन ग्रीन का बाउंसर छोड़ने के बाद यह सोच कर की गेंद ' डेड बॉल' हो चुकी है, क्रीज से बाहर निकल आए लेकिन कैरी ने गेंद विकेटों पर मार दी और इस तरह से बल्लेबाज स्टंप आउट हो गया।

कैरी ने चौथे एशेज टेस्ट से पहले मैनचेस्टर में कहा, मैं भी कुछ अवसरों पर इस तरह

से आउट हो चुका हूं और मैंने भी इससे पहले बल्लेबाजों को इस तरह से आउट करने का प्रयास किया है।

उन्होंने कहा, दक्षिण आस्ट्रेलिया में मेरे पहले ए ग्रेड के मैच में मैं इस तरह से आउट हो गया था। मैं तब क्रीज छोड़कर चला गया था। मैं निराश था लेकिन तब मेरा कप्तान मेरे पास आया और उन्होंने कहा कि अगली बार तुम्हें क्रीज पर पांव बनाए रखना याद रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच जीता था लेकिन इंग्लैंड के दर्शकों ने उनकी जमकर हूटिंग की थी।

कैरी ने कहा, हमें तुरंत ही कुछ प्रतिक्रियाएं मिल गई थी। हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और मैं इसका पूरा सम्मान करता हूं। इसी तरह से खेल भावना पर भी हर कोई अपनी राय देने का हकदार है।

चेक की खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने रचा इतिहास

ओन्स जाबेउर को हराकर पहली बार जीता खिताब

चेक गणराज्य ,16जुलाई 2023।विंबलडन 2023 में महिला एकल के फाइनल मुकाबले में इतिहास रचते हुए चेक गणराज्य की 24 वर्षीय खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने खिताब हासिल किया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में 15 जुलाई को ट्यूनीशिया की ओन्स जाबेउर को सीधे सेटों में हराया है। वोंद्रोसोवा खिताब जीतने वाली सबसे कम रैंकिंग की और पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी है।

मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 6-4 और 6-4 से ओन्स जाबेउर को शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा किया है। ये उनके करियर का पहला ग्रैंड स्लैम है। इस जीत के साथ उन्होंने इतिहास भी रच दिया है। पिछले साल की उपविजेता और छठी वरीयता प्राप्त जाबेउर इस वर्ष भी खिताब हासिल करने से चूक गई। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा वर्ष 2019 में फ्रेंच ओपन के फाइनल तक पहुंचने में सफल हुई थी मगर तब वो खिताब नहीं जीत सकी थी। वहीं इस बार विंबलडन 2023 की शुरुआत में ये किसी को अंदाजा नहीं था कि मार्केटा वोंद्रोसोवा खिताब पर कब्जा जमा लेंगी। वह खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑल इंग्लैंड क्लब में नहीं आई थी। लेकिन उनका यह दौरा यादगार बन गया और वह ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनकर घर लौटेंगी। वोंद्रोसोवा ने मैच के बाद कहा,'' मैं वास्तव में नहीं जानती कि अभी क्या हो रहा है। यह शानदार एहसास है। मैं जिस दौर से गुजरी उसे देखते हुए यह वास्तव में शानदार है कि मैं यहां

खड़ी हूं और मेरे हाथ में ट्रॉफी है।''

पिछले साल चोटिल थी वोंद्रोसोवा

बता दें कि पिछले साल अप्रैल से अक्टूबर तक चोटिल होने के कारण वोंद्रोसोवा बाहर रही थी। इसका आइडलम ये रहा था कि वर्ष 2022 के अंत में उनकी रैंकिंग 99 पर पहुंच गई थी। वहीं चोटिल होने के कारण ही उन्होंने पिछले वर्ष विंबलडन में भाग नहीं लिया था। बाएं हाथ से खेलने वाली वोंद्रोसोवा की विश्व रैंकिंग 42 है और वह पिछले 60 वर्षों में विंबलडन में फाइनल में खेलने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बनी थी।

उनसे पहले यहां 1963 में फाइनल में पहुंचने वाली आखिरी गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बिली जीन किंग थी जो वेल्स की राजकुमारी केट के साथ रॉयल बॉक्स में उपस्थित थी। मैच के बाद किंग ने वोंद्रोसोवा को गले लगाया और कहा,'' पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी। मुझे बहुत अच्छा लगा।'' तेज हवा चलने के कारण सेंटर कोर्ट को छत से ढक दिया गया था जिसका वोंद्रोसोवा ने पूरा फायदा उठाया। उनके बाएं हाथ से लगाए गए शॉट अक्सर सही जगह पर गिरे। वोंद्रोसोवा दोनों सेट में पिछड़ रही थी लेकिन पहले सेट में उन्होंने लगातार चार अंक बनाकर जीत दर्ज की जबकि दूसरे सेट में अंतिम तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। वह 2019 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में हार गई थी। वर्तमान टूर्नामेंट से पहले विंबलडन में उनका रिकॉर्ड 1-4 था लेकिन इस बार उन्होंने लगातार सात मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया।

अजमेर 92 का टीजर जारी, 21 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

द कश्मीर फाइल्स, द केरल स्टोरी और 72 हूरें के बाद भारतीय सिनेमा की एक और विवादित फिल्म अजमेर 92 पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। इसका निर्देशन पुष्पेंद्र सिंह ने किया है और यह फिल्म उमेश कुमार तिवारी द्वारा निर्मित है।

निर्माताओं ने आज अजमेर 92 का टीजर जारी कर दिया है, जिसे सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। यह फिल्म 21 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सच्ची घटना पर आधारित अजमेर 92 में जरीना वहाब, सयाजी शिंदे, मनोज जोशी और राजेश शर्मा जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। 21 अप्रैल, 1992 में राजस्थान के अजमेर में सैकड़ों लड़कियों के साथ हुई हैवानियत की खबर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। एक अखबार के पहले पेज पर सोफिया गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं की न्यूड फोटोज ब्लर करके लगाए गए थे, जिससे पूरे देश में हलचल मच गई। यह फिल्म इसी कांड पर आधारित है।

हाल ही में, राजस्थान हाई कोर्ट ने सिनेमाघरों और ओटीटी प्लेटफार्मों में फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है. इससे पहले भी ये फिल्म अजमेर 1992, 14 जुलाई को सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली थी. लेकिन अब 21 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.

फिल्म से जुड़ा एक वीडियो काफी दिन पहले ही सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया था, जसके बाद कम समय में ही इसे कई यूजर के कमेंट भी मिले. एक यूजर ने लिखा ये फिल्म कई भयानक सत्य को सबके सामने लाने वाली है वहीं एक अन्य ने लिखा, ऐसी फिल्मों को प्रमोट किया जाना चाहिए, कुछ लोग करण के फिल्म प्रमोट करने के पक्ष में दिखे तो कई लोग इस भीषण हादसे के बारे में बात कर रहे हैं.

ब्लू डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस अवनीत कौर का बोल्ड लुक वायरल

21 साल की एक्ट्रेस अवनीत कौर की स्टाइलिश आउटफिट को देखकर फैंस का आहें भरना लाजमी है। उनका बोल्ड और किलर अंदाज फैंस के सिर आंखों पर चढ़कर बोलता है। वहीं, एक्ट्रेस अवनीत कौर ने लेटेस्ट आउटफिट के साथ अपनी किलर तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर ने ब्लू कलर की डीपनेक बॉडीकॉन ड्रेस में एक से बढ़कर एक किलर पोज दिए। टीकू वेड्स शेरू फेम एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने कातिलाना अंदाज से फैंस के दिलों को बेताब करने का हुनर बखूबी जानती हैं। ब्लू कल की डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस अवनीत कौर अपना जमकर क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। इनडोर सेटअप में एक्ट्रेस अवनीत कौर की तस्वीरों पर फैंस बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। साथ ही लाइक्स और कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस अवनीत कौर कभी अपने ट्रेडिशनल लुक तो कभी अपने ग्लैमरस अंदाज से धमाल मचाए रहती हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस के इंस्टा पर 32.9 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए लगातार वीडियो या फोटो शेयर करती रहती हैं। अवनीत जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टा पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक करते हैं।

संजय दत्त-अरशद वारसी की नई फिल्म जेल के लिए मुन्ना-सर्किट बने चुनौती

मुन्नाभाई बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय और सफल फिल्म फ्रैंचाइज में से एक है। फिल्म ने मुन्ना और सर्किट की जोड़ी को यादगार बना दिया। इस किरदार को अरशद वारसी और संजय दत्त ने निभाया था। अब दर्शकों को यह जोड़ी एक बार फिर से देखने को मिलेगी। इस बार ये मुन्ना और सर्किट नहीं, बल्कि एक नए किरदार में नजर आएंगे। अरशद ने एक बातचीत में दोनों की नई फिल्म जेल के बारे में विस्तार से बताया है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल जेल की सक्रिप्ट पर काम चल रहा है। इसकी सक्रिप्ट सिद्धांत कुमार सचदेव लिख रहे हैं। वही इस फिल्म के निर्देशक भी हैं। अरशद ने बताया कि कंटेंट के मामले में यह फिल्म मुन्नाभाई जैसी होगी। फिल्म की कहानी दिल छूने वाली है और इसमें एक प्यारा सा संदेश छिपा है। मुन्नाभाई एमबीबीएस और लगे रहो मुन्नाभाई दोनों की कहानी भी ऐसी ही थी।

उन्होंने बताया कि उनका और संजय का किरदार गढ़ना एक मुश्किल काम है। जब भी वह और संजय साथ होते हैं, तो दर्शकों के दिमाग से मुन्ना और सर्किट को निकालना कठिन होता है। यही वजह है कि किरदारों को लिखने में लंबा समय लग रहा है। उन्होंने बताया

कि अगर जेल का कोई दृश्य मुन्ना-सर्किट की याद दिलाने लगता है, तो उसे दोबारा लिखा जाता है। अब दर्शकों के लिए इन्हें नए किरदारों में देखना दिलचस्प होगा।

मुन्नाभाई एमबीबीएस 2003 में आई थी। फिल्म में संजय दत्त ने एक मेडिकल स्टूडेंट की भूमिका निभाई थी, जो अपने पिता के दबाव में डॉक्टर बनने आया है। वह अपनी दिल की बात सुनता है और मरीजों का दिल खुश कर देता है। उसके हर काम में उसका दोस्त सर्किट (अरशद) उसके साथ खड़ा रहता है। इसका सीक्वल लगे रहो मुन्नाभाई 2006 में आया था। यह फिल्म गांधी जी के आदर्शों को दिखाती थी। जेल की घोषणा इस साल जनवरी में हुई थी। निर्माताओं ने अरशद और संजय का लुक शेयर किया था। दोनों को फिर से साथ देखकर दर्शकों का अनुमान था कि यह मुन्नाभाई 3 है। अरशद की वेब सीरीज असुर 2 कुछ समय पहले ही रिलीज हुई है। वह अपनी फिल्म जॉली एलएलबी 3 के लिए भी चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह और अक्षय कुमार आमने-सामने होंगे। इससे पहले वह 2013 में जॉली एलएलबी में नजर आए थे।

CMYK

प्रदेश म मया अऊ एकता के बगरही रंग
लइका सियान सबो झन खेलहीं संग-संग

Chhattisgarhiya OLYMPICS 2023

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक

17 जुलाई - 27 सितंबर 2023

पारंपरिक एवं देसी खेलों के महाकुंभ का

शुभारंभ

17 जुलाई, 2023

मुख्य अतिथि

श्री भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

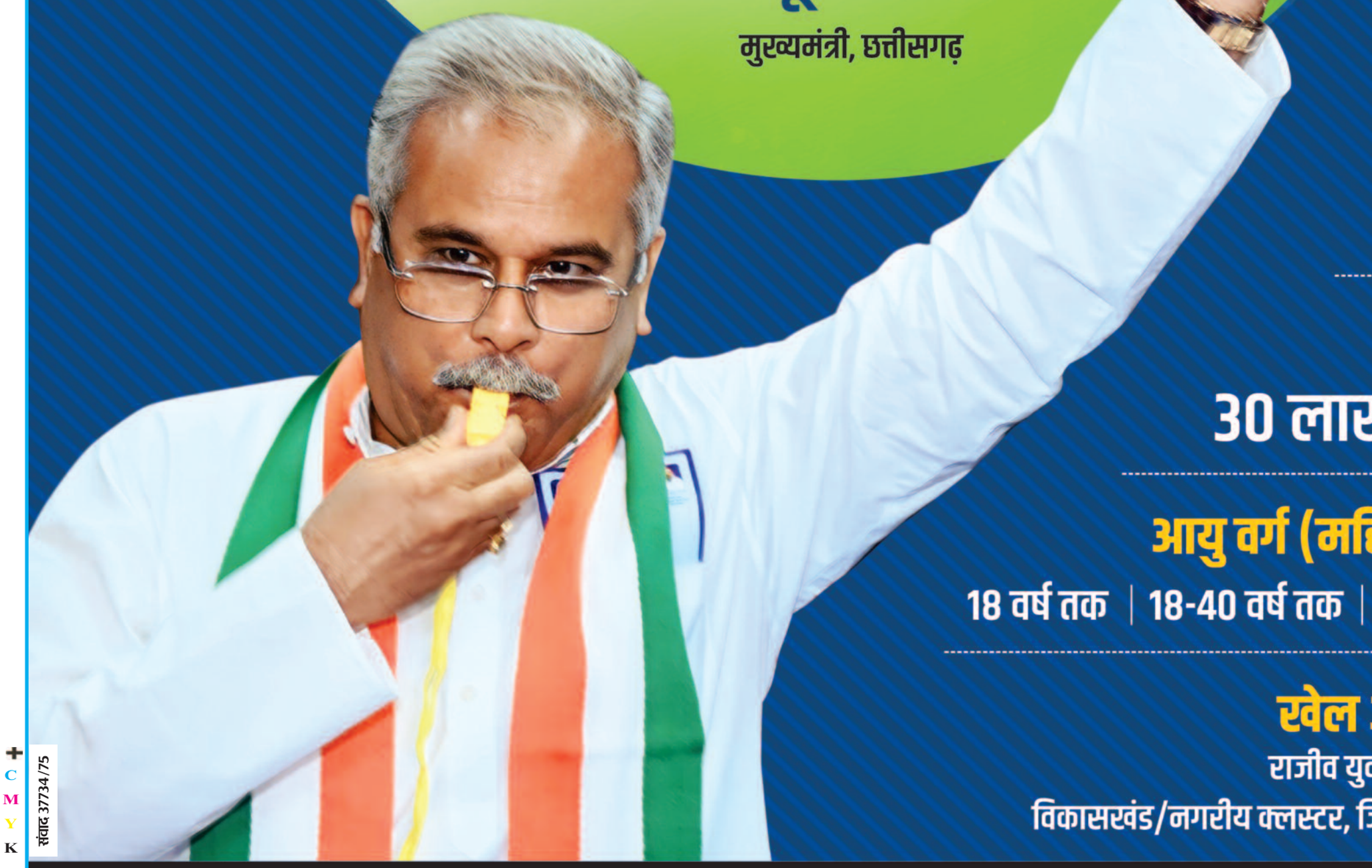

खेल विधाएं
16

प्रतिभागी
30 लाख से ज्यादा

आयु वर्ग (महिला एवं पुरुष)
18 वर्ष तक | 18-40 वर्ष तक | 40 वर्ष से अधिक

खेल आयोजन स्तर
राजीव युवा मितान क्लब, जोन,
विकासखंड/नगरीय क्लस्टर, जिला, संभाग एवं राज्य

संवाद 37734/75

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)